दैनिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

D Edition

Reg.No.RJ26D00120077

भारत टाइम्स

www.bharattimenews.com

सत्यमेव परं श्रुतम्

Bharattimesnews01@gmail.com

विचार

"किसी के जीवन का मूल्य तभी तक है जब तक वह प्रेम, दोस्ती और करुणा के द्वारा दूसरों के जीवन को मूल्यवान बनाता है"

पेज 5

वर्ष- 2 | अंक-61 | दिल्ली, बुधवार 24 अप्रैल 2024 | पेज-8 | ई-पेपर नई दिल्ली से प्रसारित

न्यूज. ब्रीफ

ताइवान में 6.3 तीव्रता का भूकंप

ताइपे/टोक्यो। ताइवान में इस महीने फिर से बड़ा भूकंप आया। देश के पूर्वी तट पर सोमवार शाम 5 बजे से रात 12 बजे के दौरान 80 से ज्यादा बार झटके महसूस किए गए। इनमें सबसे ज्यादा तीव्रता 6.3 और 6 दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक, ये दोनों झटके रात 12 बजे के आसपास कुछ मिनटों के अंतराल पर आए। ताइवान में तब रात के 2:26 और 2:32 बजे थे। मौसम विभाग ने बताया कि भूकंप का केंद्र पूर्वी काउंटी हुलिएन में धरती से 5.5 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के कारण हुलिएन में दो इमारतों को नुकसान पहुंचा है। इनमें एक बिल्डिंग ढह गई, तो दूसरी सडक की तरफ झुक गई। जापान, चीन और फिलिपींस में भी हल्के झटके महसूस किए गए। फिलहाल किसी नुकसान की खबर नहीं है।

भारतीय मूल के शख्स को 20 साल की सजा

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक शख्स को उसकी गर्लफ्रेंड की हत्या के मामले में 20 साल की सजा हुई है। पुलिस के मुताबिक एम कृष्णन अपनी गर्लफ्रेंड मल्लिका बेगम के कई पुरुषों के साथ संबंध होने से परेशान था। कृष्णन ने अपनी गर्लफ्रेंड को बेरहमी से पीटा था, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक कृष्णन ने पिछले सप्ताह सिंगापुर की कोर्ट में अपना जुर्म कबूल कर लिया, जिसके बाद उसे सजा सुनाई गई। कृष्णन शादीशुदा था, उस पर पत्नी को भी पीटने के आरोप हैं। जज वैलेरी थीन ने सजा सुनाते हुए कहा कि कृष्णन के महिलाओं के साथ बार-बार किए गए दुर्व्यवहार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उसे गुस्सा बहुत आता है, जिसके कारण वह हिंसक हो जाता है।

टारगेट किलिंग, गोली मारकर हत्या

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आतंकियों ने एक बार फिर से टारगेट किलिंग को अंजाम दिया है। आतंकियों ने को एक लोकल शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी। विक्टिम की पहचान कुंडा टोपे शहादरा शरीफ के रहने वाले मोहम्मद रज्जाक के रूप में हुई है। 40 साल के रज्जाक सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट में काम करते थे। उनके भाई सेना में जवान हैं। आतंकियों ने मोहम्मद रज्जाक के घर पर फायरिंग की थी। इस दौरान रज्जाक को गोली लग गई। वे हमले में बुरी तरह जख्मी हो गए थे। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपियों को पकड? के लिए पूरे इलाके को सील कर दिया है। सूचना मिलते ही पुलिस और सेना की जॉइंट टीम ने हमलावरों को पकड? के लिए इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया था।

2 नेवी हेलिकॉप्टर टकराए,10 की मौत

कुआलालंपुर। मलेशियाई नेवी के 2 हेलिकॉप्टर मंगलवार को हवा में टकरा गए। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई है। मलेशियाई नेवी ने बताया कि रॉयल मलेशियन नेवी परेड की रिहर्सल के दौरान यह हादसा हुआ। मारे गए सभी लोग नेवी के क्रू मेंबर्स थे। हादसा मंगलवार सुबह 9.30 बजे पेराक में लुमुत नेवल बेस पर हुआ। सभी शवों को लुमुत एयरबेस के अस्पताल भेजा गया है, जहां इनकी पहचान की जाएगी।

पूर्व मंत्री को जान से मारने की धमकी

बाड़मेर। कांग्रेस के सीनियर लीडर और पूर्व मंत्री अमीन खान को मंगलवार दोपहर जान से मारने की धमकी मिली है। उनके वैरिफाइड

सोशल मीडिया अकाउंट पर उन्हें मैसेज के जरिए 26 तारीख से पहले काम तमाम करने की बात लिखी है। बाड़मेर स्क्क को शिकायत देते हुए उनके भतीजे चिनेसर खान ने मामला दर्ज करवाया है जिसमें लिखा- एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर आने के बाद उन्हें चाचा को यह धमकी दी गई है। मामले में पुलिस ने एक युवक को हिरासत में ले लिया है। जिससे पूछताछ जारी है। एसपी नरेंद्र सिंह मीना के मुताबिक अमीन खान से फोन पर बात कर बताया कि जान से मारने की धमकी मिली है। वहीं उनके भतीजे की ओर से एक लिखित रिपोर्ट भी दी गई है। सोशल मीडिया सेल की ओर से आरोपी की पहचान कर ली गई है पुलिस ने पारसमल पुत्र भींयाराम जाट (24) को डिटेन कर लिया है। एसपी ने बाड़मेर ने कहा- जनता से अपील करता हूं कि सोशल मीडिया कोई भ्रामक प्रचार या झूठी अफवाहें नहीं फैलाएं। इस संबंध में पहले भी कार्रवाई की गई है और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मप्र में 10वीं और 12वीं बोर्ड के नतीजे आज

10वीं व 12वीं में करीब 17 लाख विद्यार्थी शामिल हुए हैं

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल(माशिमं)की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम बुधवार को घोषित किया जाएगा। मंडल सभागृह में शाम चार बजे परिणाम जारी होगा। इस बार भी दोनों कक्षाओं का परिणाम एक साथ ही आएगा। इस बार भी विद्यार्थियों की मेधावी सूची जारी की जाएगी।बता दें कि 10वीं व 12वीं में करीब 17 लाख विद्यार्थी शामिल हुए हैं। इसके अलावा मोबाइल एप पर परिणाम जानने के लिए गूगल स्टोर पर पर एमपीबीएसई या एमपी मोबाइल एप डाउनलोड करें। नो योर रिजल्ट का चयन करने के बाद अपना अनुक्रमांक तथा आवेदन क्रमांक प्रविष्ट कर परीक्षा परिणाम जान सकेंगे।

सीएम यादव ने कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा

वे राम को ही नहीं मानते तो हनुमान को क्या मानेंगे

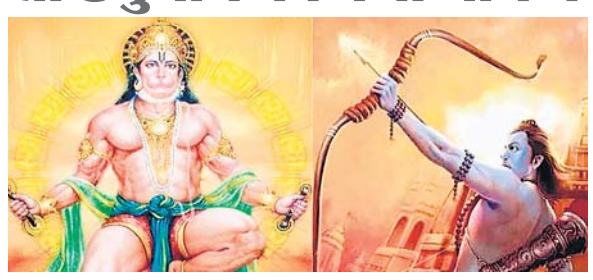

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को नरसिंहपुर के जनपद मैदान में पहुंचे, जहां उन्होंने आमसभा को संबोधित करते हुए नर्मदापुरम-नरसिंहपुर लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के पक्ष में प्रचार किया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के न्योते को स्वीकार न करने पर उन्होंने कांग्रेस को नालायक बताया। सीएम ने कहा कि जिनकी बुद्धि कमजोर है वे अगर राम जी को ही नहीं मानते तो हनुमान जी को क्या मानेंगे। कांग्रेस के लोगों को माफी मांगना चाहिए। भगवान राम के मामले में सुप्रीम कोर्ट फैसला दे दे फैसले के बाद भी भगवान राम के मंदिर के निमंत्रण को ठुकराओगे। इसके बाद क्या करेंगे आप लेकिन करने वाले कौन है। यह कांग्रेस वाले! मोहन यादव बोले की अब यह तो गलती कर चुके हैं, उंगली उठाईये और उंगली में सुदर्शन चक्र धारण कर 26 तारीख को अपनी उंगली पर सुदर्शन चक्र धारण कर कांग्रेस का सर्वनाश कीजिए।

कलकत्ता हाईकोर्ट की अपील- बहरामपुर में चुनाव आगे बढ़ाएं

- आचार संहिता में दो गुटों में झगड़ा हुआ, ऐसे में वे किसी को चुन नहीं सकते

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को को चुनाव आयोग से अपील की है कि बहरामपुर (मुर्शिदाबाद) में चुनाव आगे बढ़ाया जाए। मुर्शिदाबाद में 13 और 17 अप्रैल को रामनवमी उत्सव के दौरान दो गुटों में झगड़ा हुआ था। बहरामपुर सीट मुर्शिदाबाद में आती है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने दो याचिकाओं की सुनवाई की थी, जिसमें घटना को लेकर सीबीआई और एनआईए जांच की मांग की गई है। कोर्ट ने कहा कि आचार संहिता के दौरान दो गुटों में झगड़ा हुआ था। इस स्थिति में वहां के लोग किसी को चुन नहीं सकते। चुनाव होने का कारण भी समस्या होगी। वहीं, कोर्ट ने बंगाल सरकार से अपील की है कि रामनवमी पर मुर्शिदाबाद में जो हिंसा हुई थी, उस पर रिपोर्ट पेश करें। मामले की अगली सुनवाई 26 अप्रैल को होगी। पश्चिम बंगाल में सभी सातों फेज में लोकसभा चुनाव होने हैं। इलेक्शन कमीशन ने राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों की 920 टुकडि?ां तैनात की हैं। यहां जम्मू-कश्मीर से ज्यादा सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

सक्ति, धमतरी में चुनावी सभा में प्रधानमंत्री बोले..

मोदी ने नारा नहीं दिया, नाता जोड़ा

60 साल तक एक परिवार ने रिमोट से सरकार चलाई

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ में हैं। मंगलवार को उन्होंने जांजगीर के सक्ति और धमतरी में सभा को संबोधित किया। मोदी ने कहा कि, कांग्रेसी पूछते थे कि राम मंदिर कब बनाएंगे? हमने मंदिर बनवा दिया। हमने निमंत्रण भी भिजवाया, लेकिन उन्होंने उसे ठुकरा दिया। क्या ये भगवान राम का अपमान नहीं है? क्या ये छत्तीसगढ़ के लोगों का अपमान नहीं है? मुझे जनता की आशीर्वाद पर अटूट भरोसा है। इसी भरोसे पर पूरा छत्तीसगढ़ कह रहा है फिर एक बार फिर मोदी सरकार बनाना है। पीएम ने कहा कि रामनामी समुदाय के लोगों का भी आशीर्वाद मुझे मिला। रामनामी समाज अपनी

भक्ति, भजन और श्रीराम के लिए समर्पण के लिए जाना जाता है। रामनामी समाज के पूर्वजों ने डेढ़ सौ साल पहले बता दिया था कि रामलला की प्राणप्रतिष्ठा कब होगी। सबने मान लिया था कि राममंदिर नहीं बनेगा लेकिन उस उम्मीद को पूरा करने का काम भाजपा ने किया। कांग्रेस वाले तो बुलावे के बाद भी नहीं आए। **छत्तीसगढ़ की महतारी योजना की देशभर में चर्चा-** प्रधानमंत्री ने कहा, ये मोदी की गारंटी है, ऐसे ही आगे भी मेरे किसान भाइयों को मिलता रहेगा। खेती में माताओं बहनों की भागीदारी को कई गुना बढ़ाने में जुटी है। ड्रोन क्रांति आने वाली है उसका नेतृत्व आदिवासी बहनें करेंगी। नमो ड्रोन दीदी योजना से बहनों को पहले ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग दी जा रही है। सरकार उसको सब्सिडी भी दे रही है। छग की महतारी योजना की देशभर में चर्चा है। लाखों बहनों को हर महीने सीधी मदद पहुंचने लगी है। मोदी ने भी गारंटी दी है कि तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाएंगे। बेटी ये फोटो लेकर कब से खड़ी हो। मुझे देने आई हो। बेटा अपना नाम पता लिख देना मैं आपको चि्ठी लिखूंगा। एक बेटी मोदी का पोस्टर लहरा रही थी,उसे पीएम ने संबोधित करते हुए यह बात कही। **कांग्रेस ने आदिवासी महिला राष्ट्रपति का अपमान किया** प्रधानमंत्री ने कहा, 60 साल तक एक ही परिवार ने रिमोट से सरकार चलाई। 2014 में आपके बीच से आए मोदी को जिम्मेदारी दी। आप लोगों के बीच

कांग्रेस के नेता सिर्फ तिजोरी भरते रहे

मोदी के लिए एक घंटा निकालना होगा

आपको मोदी के लिए एक घंटा निकालना चाहिए ही निकाला चाहिए। सात मई को वोट देने के लिए मोदी के लिए एक घंटा निकालोगे। मोदी को वोट करोगे। पक्का करोगे। आपको जांजगीर चांपा से छोटी बहन कमलेश जांगड़े और रायगढ़ से हमारे छोटे भाई राधेश्याम राठिया को भारी बहुमत से जीताकर मेरी मदद के लिए भेजना है। एक मजबूत सरकार बनाने के लिए दिल्ली में मेरा साथ देने वाले हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, आज मेरे साथ रामनामी मेहरात राम जी मंच पर विराजमान हैं। अपनी भक्ति अपने भजन। कहते हैं रामनामी समाज के पूर्वजों ने डेढ़ सौ साल पहले ही बता दिया था कि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कब होगी। मुझे प्राण प्रतिष्ठा का सौभाग्य मिला। अयोध्या के मंदिर की उम्मीद देश छोड़ चुका था। उस उम्मीद को पूरा करने का काम भाजपा ने किया है। कमल वालों ने किया है।

कांग्रेस पर बोला हमला...

- जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस के लोग हम पर तंज कसते थे। हर चुनाव में हमसे पूछा जाता था, मंदिर कब बनेगा। आए दिन गली मोहल्ले में हमसे पूछा करते थे। हमने उन्हें तारीख भी बताई समय भी बताया निमंत्रण भी भेजा। लेकिन कांग्रेस के सातवें आसमान के अहंकार ने प्राण प्रतिष्ठा के आमंत्रण को ठुकरा दिया। वे अपने आपको प्रभु राम से भी बड़ा मानते हैं। छत्तीसगढ़ तो प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। क्या है छत्तीसगढ़ का अपमान है कि नहीं है। क्या माता शबरी का अपमान है कि नहीं है। धर्म के नाम पर देश को बांटने वाली कांग्रेस आजादी के बाद भी पहले दिन से तुष्टीकरण में लगी हुई थी। तुष्टिकरण वोट बैंक की राजनीति कांग्रेस के डीएनए में है। दलिलों, पिछड़ों, आदिवासियों का हक छीनना पड़े तो वे एक सेकंड भी नहीं लगाएंगे। भाजपा सबका साथ सबका विकास मंत्र पर चलने वाली पार्टी है। गरीब, युवा, महिला और किसानों का कल्याण ही हमारी प्राथमिकता है।

केजरीवाल की कस्टडी 7 मई तक बढ़ी

जेल में पहली बार इंसुलिन दी गई; तिहाड़ प्रशासन बोला- शुगर लेवल 217 था, इसलिए कम खुराक दी

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ा दी। इसके पहले केजरीवाल की कस्टडी 1 अप्रैल से 15 अप्रैल, फिर उसके बाद 23 अप्रैल तक बढ़ाई गई थी। कोर्ट के इस आदेश के बाद केजरीवाल अब लोकसभा चुनाव के दूसरे (26 अप्रैल) और तीसरे (7 मई) फेज की वोटिंग के दौरान भी जेल में रहेंगे। केजरीवाल के अलावा बीआरएस नेता के कविता और एक अन्य आरोपी चरनप्रीत की कस्टडी भी 7 मई तक बढ़ा दी गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने सुनवाई के दौरान कहा कि के कविता के केस में एजेंसी 60 दिन में चार्जशीट फाइल करेगी। ईडी ने शराब नीति केस में केजरीवाल को 21 मार्च को अरेस्ट किया था। 22 मार्च को राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेशी हुई, जहां से उन्हें 28 मार्च तक श्वष्ठ की रिमांड पर भेजा गया।

संसदीय चुनाव जीतने के बाद राष्ट्रपति मुइज्जू का चीन एजेंडा

मालदीव का संविधान बदलेंगे, चीनी कंपनियों को मिलेगा कॉन्ट्रैक्ट

माले। मालदीव में भारत विरोधी राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को संसदीय चुनाव में प्रचंड बहुमत के साइड इफेक्ट शुरू हो गए हैं। 93 सीटों में से मुइज्जू की पार्टी को 68 सीटें मिली हैं। अब मुइज्जू ने चीन के एजेंडे पर काम शुरू कर दिया है। उनका पहला टास्क संविधान बदलना है। अभी राष्ट्रपति के अधिकारों पर संसद का नियंत्रण है। मुइज्जू राष्ट्रपति के आदेश को मंजूरी

के लिए संसद में तीन चौथाई की जगह साधारण बहुमत का प्रावधान करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, मुइज्जू 188 बसाहट वाले द्वीपों में से 30 नए द्वीपों में कंस्ट्रक्शन के ठे-के चीनी कंपनियों को देंगे। यहां चीन की कंपनियां पहले चरण में एक हजार फ्लैट बनाएंगी। ये 30 नए द्वीप समुद्र पाट कर बनाए गए हैं। इसे लैंडरिक्लेमेशन कहा जाता है। द्वीपों पर निर्माण विरोधी थे भारत समर्थक नशीद भारत समर्थक पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद नए द्वीपों पर निर्माण के सख्त खिलाफ थे। उन्होंने चेताया था कि जलस्तर बढने से मालदीववासी दुनिया के पहले पर्यावरण शरणार्थी बन सकते हैं। उन्होंने भारत, श्रीलंका या ऑस्ट्रेलिया में जमीन खरीदने की बात कही थी। हालांकि, मुइज्जू ने सत्ता में आने के बाद लैंड रिक्लेमेशन को आगे बढ़ाया। कर्ज चुकाने 4200 करोड़ जुटाएंगे मालदीव पर 54,186 करोड़ रुपए का विदेशी कर्ज है।

दिल्ली हाईकोर्ट से शिबू सोरेन को फौरी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के अध्यक्ष शिबू सोरेन से जुड़ी दो संपत्तियों की जांच पर भारत के लोकपाल को 10 मई तक कोई भी कदम उठाने पर रोक लगाई है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने लोकपाल के समक्ष शिकायत दायर करने वाले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को झामुमो की याचिका पर नोटिस जारी किया है। याचिका में लोकपाल के चार मार्च के आदेश को चुनौती दी गई है। लोकपाल ने अपने आदेश में झामुमो के स्वामित्व वाली दो संपत्तियों की जांच करने के लिए सीबीआई को निर्देश दिया था। दिल्ली उच्च न्यायालय में 10 मई को आगे की सुनवाई होगी।

खतरा | इसरो ने जारी की सैटेलाइट इमेज...

हिमालय की 601 झीलों का आकार दो गुना से ज्यादा बढ़ा

तेजी से पिघल रहे हिमालय के ग्लेशियर

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सैटेलाइट इमेज जारी कर दावा किया है कि हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इसरो का दावा है कि हिमालय में पहचानी गई ग्लेशियल झीलों का आकार बढ़ा है। इसरो ने कहा कि 1984 से 2023 तक हिमालय के भारत क्षेत्र में नदी घाटियों का कैचमेंट कवर करने वाली सैटेलाइट इमेजेज ने ग्लेशियल झीलों में आए परिवर्तन का संकेत दिया है। इसमें बताया गया है कि 2431 झीलों में से 676 ग्लेशियल झीलों का 1984 से 2016-17 में 10 हेक्टेयर से ज्यादा विस्तार हुआ है। इसरो ने कहा कि 676 झीलों में से 601 झीलें दो गुना से ज्यादा बढ़ी हैं, जबकि 10 झीलें 1.5 से दो गुना और 65 झीलें 1.5 गुना हैं। 676 झीलों में से 130 भारत में स्थित हैं, जिनमें 65 इंडस, सात गंगा और 58 ब्रह्मपुत्र नदी घाटियों में स्थित हैं। 314 झीलें 4,000-5,000 मीटर की ऊंचाई पर हैं, जबकि 296 झीलें 5,000 मीटर से भी ऊपर हैं। मोरेन डैम्ड झीलें ज्यादा बढ़ रहीं जिन 676 झीलों का विस्तार हो रहा है, उनमें 307 मोरेन डैम्ड झील हैं। उर्वरक झीलें 265, अन्य 96 झीलें और आइस डैम्ड 8 ग्लेशियल झीलें हैं। इसरो ने सैटेलाइट इमेज हिमाचल प्रदेश में 4,068 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गेपंग घाट ग्लेशियल झील में 1989 से 2022 के बीच 36.49 हेक्टेयर से 101.30 हेक्टेयर का 178 प्रतिशत विस्तार दिखाया है। यानी हर साल लगभग 1.96 हेक्टेयर की वृद्धि हुई है। उत्तर-पश्चिमी सिक्किम में 17,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित दक्षिण ल्होनक ग्लेशियल झील पिछले साल अक्टूबर में फट गई थी। इससे आई बाढ़ के कारण 40 लोगों की मौत हुई थी और 76 लोग लापता हो गए थे।

शोभा यात्रा के साथ मनाया श्री हनुमान जन्मोत्सव

♦भारत टाइम्स♦

बोरुंदा। सोहनलाल वैष्णव। चतुः सम्प्रदाय वैष्णव समाज पीपाड़ शहर व ग्रामींण ने कस्बे में मंगलवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव को लेकर मुख्य मार्गो से शोभायात्रा गाजों बाजों के साथ निकाली तथा सोमवार रात्रि को भजन संध्या आयोजित हुई। श्री हनुमान जन्मोत्सव को लेकर पीपाड़ के राठोलाई नाडी के पास वैष्णव समाज भवन से शोभायात्रा गाजों बाजों के साथ शुरू हुई जो कालाभाटा, सदर बाजार से होती हुई हनुमान मंदिर पहुंची इस शोभायात्रा का कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। वहीं कई धर्म प्रेमियों ने ठंडा जल व आइसक्रीम खिलाकर यात्रियों का अभिनंदन किया। वहीं सोमवार रात्रि को चतुः सम्प्रदाय वैष्णव समाज चौखला मंडल छात्रावास में एक शाम वीर हनुमान के नाम से भजन संध्या आयोजित हुई जिसमें कई स्वजातीय बंधुओ ने हनुमान जी के भजनों की स्वर लहरिया बहाई जिसमें देर रात्रि तक कई श्रद्धालु उपस्थित रहे। वहीं मंगलवार दोपहर को शोभायात्रा के बाद वैष्णव समाज चौखला मंडल के नवनिर्मित छात्रावास में प्रसादी का आयोजन हुआ। इस दौरान श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के समस्त पदाधिकारीगण व श्यामदास कुबावत, सत्यनारायण जालीवाड़ा, छंवरदास, जगदीश प्रसाद वैष्णव, वीरमदास, परमेश्वरदास वैष्णव, भीष्म रामावत, सुरेश दिवाकर, धर्मेंद्र वैष्णव, सोहनलाल मादलिया, सोमप्रकाश, भंवरदास, श्यामदास, दिनेशदास, सोहनदास, संतोष दास, सेवादास, लालदास चतुरदास, नाथूदास, सुखदास, महेंद्र दास, ओमदास, सुरेन्द्र वैष्णव, श्रीराम, बक्साराम, मेघराज, मुकेश, विशाल, प्रशांत सहित बुजुर्ग महिलाएं पुरुष व बच्चे शोभायात्रा में शामिल हुए।

शांतिपूर्ण मतदान हेतु पुलिस, सी.आई.एस.एफ. ने नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में निकाला फ्लेग मार्च

♦भारत टाइम्स♦

आमेट। आगामी लोकसभा आम चुनाव 2024 के मद्देनजर मनीष कुमार त्रिपाठी जिला पुलिस अधीक्षक राजसमन्द आदेशानुसार सी. आई.एस.एफ. की बटालियन व ज्ञानेन्द्रसिह वृताधिकारी वृतकुम्भलगढ़ के निर्दशन में आमेट ने एरिया डोमिनेशन, सुरक्षा एवं कानुन व्यवस्था बनाये रखने व आमजन को भयमुक्त होकर मतदान करने हेतु जागरूक करने के उद्देश्य से सुरेन्द्रसिह शक्तावत थानाधिकारी आमेट व

सीआईएसएफ कम्पनी कमांण्डर गौरव धीमन एंड कम्पनी के सभी जवान व थाना आमेट के पुलिस कर्मियों के साथ आमेट के बस स्टेण्ड, लक्ष्मीबाजार, सब्जीमण्डी, होलीथान, बडीपोल, रामदेवमन्दिर, रामचौक, तकिया, शनिमहाराज मन्दिर तकिया रोड, होलीधान, अस्पताल रोड इत्यादि स्थानों पर फ्लेग मार्च किया।साथ ही थाना क्षेत्र के सरदारगढ़ में नया बस स्टेण्ड, जाटो की हताई, बाजार, बामणिया दरवाजा, बालाजी चौराहा, पुराना बस स्टेण्ड दोवडा व झौर गांव में भी पलेग मार्च किया गया।पलेग मार्च एरिया डोमिनेशन, सुरक्षा एवं कानुन व्यवस्था बनाये रखने व आमजन को भयमुक्त होकर मतदान करने हेतु जागरूक करने के उद्देश्य किया गया।

हनुमान जन्मोत्सव पर वैष्णव वैरागी समाज ने निकाली शोभायात्रा

♦भारत टाइम्स♦

देवगढ़। विद्याधर वैष्णव। नगर में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर मंगलवार को वैष्णव वैरागी समाज द्वारा रथ में श्री हनुमान जी की प्रतिमा विराजित करवा एवं घोड़े पर पुष्माला चढ़ा शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा शिवालय माधव विलास से प्रारम्भ हुई जो तीन बत्ती चौराया, मारु दरवाजा,सदर बाजार, कोतवाली चबूतरा, माणक चौक, गणेश घाटी, सुरज दरवाजा पर नर्सिंग द्वारा मंदिर पहुंच पुजारी लीलाधर वैष्णव ने महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया।शोभायात्रा में समाज के प्रभुत्व नागरिकगण,युवा लोग,मातृशक्ति सहित शामिल हुए। शोभायात्रा में युवा एवं बच्चें भगवा पताका लहराते हुए चल रहे थे। इस दौरान वैष्णव वैरागी समाज देवगढ़ अध्यक्ष गोपाल दास वैष्णव अनुज, लीलाधर वैष्णव, लक्ष्मण दास ,मोहन दास, गोविन्द दास, दिलीप दास, जसवंत,बाबू दास,मदन दास, जगदीश दास, दिनेश वैष्णव राजू वैष्णव मुकेश वैष्णव, प्रकाश वैष्णव, रोशन दास,गोपाल दास, मुरली वैष्णव,विजय वैष्णव,राजेंद्र वैष्णव,अमित वैष्णव,श्याम दास वैष्णव,हेमंत वैष्णव,ऋषि वैष्णव, गौतम वैष्णव, गौरव वैष्णव, दिनेश दास वैष्णव,लालदास वैष्णव,सत्यनारायण वैष्णव सहित समाजजन शामिल रहे।शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा के पुलिस प्रशासन के पुख्ता इंतजाम रहे।

गुरुदेव कृपा करके मुझको अपना लेना

पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज ने हर्षोल्लास के साथ मनाई संत शिरोमणि पीपाजी महाराज की जयंती

♦भारत टाइम्स♦

ब्यावर दर्जी समाज के आराध्य संत शिरोमणि पीपाजी महाराज की जयंती मंगलवार को हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस मौके पर प्रभात फेरी, ध्वजारोहण, भजन कीर्तन, प्रवचन सहित कई कार्यक्रम हुए। जिनमे समाज बंधुओ ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। पीपानन्दाचार्य जयंती के अवसर पर मंगलवार सुबह नेहरू गेट कोट गली स्थित समाज के द्वारकाधीश मंदिर से प्रभात फेरी निकाली गई। इसके बाद मंदिर परिसर में ध्वजारोहण कर पीपा जी की महाआरती की गई। दोपहर बाद मारवाड़ी पंचायती भवन में भजन कीर्तन का कार्यक्रम शुरू हूआ। इसमें गायक कलाकार बाबूलाल सोलंकी ने गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

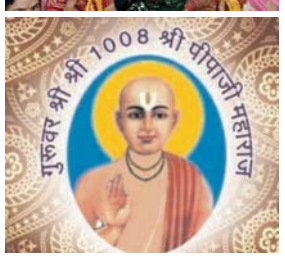

कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष अशोक कुमार

राखेचा, पुखराज चौहान, ज्ञानचंद सोलंकी, पूर्व अध्यक्ष सुनील राखेचा व अजय कुमार सोलंकी, सहित नौरतमल राठौड़, संपतराज सोलंकी, प्रेमजीवन चौहान, भगवती प्रसाद गहलोत, जगदीशप्रसाद सोलंकी, राधेश्याम सोलंकी, ज्ञानचंद राठौड़, धमीचंद राखेचा, महिला मंडल अध्यक्ष किरण देवी राखेचा, नवयुवक मंडल अध्यक्ष राजेश राठौड़, बुधराज सोलंकी, घनश्याम गोयल सहित बड़ी संख्या में समाज के महिला पुरुष व बच्चे मौजूद रहे।

बाल विवाह रोकने के लिए जिला स्तरीय बैठक का आयोजन

♦भारत टाइम्स♦

राजसमंद। विद्याधर वैष्णव। अक्षय तृतीया, पीपल पूणीर्मा (बैशाख पूणीर्मा) और अन्य सावों पर बाल विवाह रोकने के लिये प्रशासन ने कमर कस ली है। इस सम्बंध में जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में सभी बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों एवं सम्बन्धित विभागों की बैठक हुई।

उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर के आदेश से स्थानीय सरपंच की अध्यक्षता में प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत कार्मिकों के एक समिति का निर्माण किया गया है जो बाल विवाह रोकने हेतु कार्य करेगी। यदि इसके बावजूद भी यदि बाल विवाह होता है और निर्धारित समिति के बाल विवाह को रोकने में असफल रहने पर पंचायती राज अधिनियम 1994 के तहत सरपंचो पर एवं सरकारी कार्मिको पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। सभी बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों को बाल विवाह की सूचना पर तत्काल प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट से निषेधाज्ञा जारी कराने को कहा साथ ही सभी उपखंड अधिकारी अपने क्षेत्र में हलवाई, पंडित और प्रिंटिग प्रेस वाले को नोटिस जारी करेंगे। बाल विवाह रोकने पर पुलिस को बाल विवाह अधिनियम के साथ ही जेजे एक्ट, पीटा अधिनियम और पोक्सो में भी मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए है। साथ ही सभी विभागों को आपसी समन्वय एवं सक्रिय सहभागिता के साथ कार्य करने हेतु कहा।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए ब्यावर जिले में लघु उद्योग भारती की अनूठी मुहिम

♦भारत टाइम्स♦

ब्यावर/ राधेश्याम। आगामी 26 अप्रैल को मनाए जाने वाले लोकतन्त्र के सबसे बड़े त्यौहार के निमित्त मतदान जागरूकता की दृष्टि से कलेक्टर कार्यालय की प्रेरणा से लघु उद्योग भारती, ब्यावर इकाई की ओर से एक अनूठी मुहिम की घोषणा की गयी है लघु उद्योग भारती मुख्य इकाई के अध्यक्ष सचिन नाहर ने बताया कि नगर के उद्योग संगठनो के साथ इकाई के प्रमुख पदाधिकारियों के संग कल सोमवार को जिला कलेक्टर के संग एक बहुउपयोगी बैठक सम्पन्न हुई बैठक में ब्यावर जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर गहन विचार-विमर्श हुआ सभी ने अपने-अपने स्तर पर सहज रूप से कई उपयोगी सुझाव दिये इकाई के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अजय खंडेलवाल ने बताया कि विचार विमर्श के बाद निर्णय रहा कि जिले के जिस भी बूथ पर गत बार से 5 प्रतिशत से अधिक वोटिंग होगी, वहां 1100/- की नगद राशि व जिस बूथ पर 10 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग होगी, वहां 2100/- की नगद राशि ब्यावर इकाई द्वारा पारितोषिक

के तौर पर उस बूथ के बीएलओ को दी जाएगी और इस पारितोषिक का वितरण सार्वजनिक कार्यक्रम में सभी की उपस्थिति में किया जाएगा लघु उद्योग भारती, ब्यावर मुख्य इकाई और महिला इकाई द्वारा मतदान जागरूकता को लेकर नगर में ओर क्या-क्या कार्यक्रम चलाएं जा रहें हैं, उनकी एक संक्षिप्त जानकारी भी बैठक में दी गयी इकाई उपाध्यक्ष गगन भारद्वाज ने बताया कि मतदान जागरूकता के अभियान के इसी क्रम में आज प्रातःकाल इकाई के सदस्यों ने भारत माता सर्किल से मेवाड़ी गेट के क्षेत्र में आगामी 26 अप्रैल को आयोजित होने वाले लोकतन्त्र के इस महापर्व में सभी मतदाताओं की भागीदारी को सुनिश्चित करते हुए उन्हें भाग लेने के लिए प्रेरित किया साथ ही राष्ट्रहित में मतदान करने से हुए सार्थक परिणामों को बताता हुआ एक पत्रक भी वितरित की।

जिले में नवाचार के तहत स्वास्थ्य कार्यक्रमों के मुख्य परफोरमेंस सूचकांको का हुआ निर्धारण

♦भारत टाइम्स♦

राजसमंद। जिले में समुदाय एवं चिकित्सा संस्थानो पर दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि करने एवं स्वास्थ्य सूचकांको को बेहतर करने के लिये स्वास्थ्य भवन में जिले के सभी प्रमुख चिकित्सा अधिकारीयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो के चिकित्सा

अधिकारी प्रभारीयों एवं खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारीयों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिला स्तरीय अधिकारीयों ने अपने - अपने स्वास्थ्य कार्यक्रमो में गुणवत्ता सुधार के लिये कार्ययोजना की जानकारी दी तथा चिकित्सा अधिकारी प्रभारीयों को गुणवत्ता सुधार के लिये छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिये निर्देशित किया। सीएमएचओ डॉ हेमन्त कुमार बिन्दल ने कार्यशाला में बताया की विभाग में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों में गुणवत्ता लाने और निर्धारित लक्ष्यो को प्राप्त करने के लिये एक मापदण्ड होना जरूरी है। जिससे सभी कार्यक्रमो की प्रगति की सटीक समीक्षा की जा सके। इसके लिये जिला स्तर से मुख्य परफोरमेंस सूचकांको (केपीआई) का निर्धारण कर गुगल फॉर्म तैयार कर दिया गया है। इससे जहां चिकित्सा अधिकारी प्रभारीयो को नियमित मोनिटरिंग में आसानी होंगी वहीं कोनसा क्षेत्र किस कार्यक्रम में कमजोर है।

हनुमान जन्मोत्सव की शोभायात्रा में गूंजे जय श्रीराम व वीर बजरंगी के जयकारे

धर्मध्वजा से सजा पूरा नगर,जगह जगह पर फूलों से स्वागत...

♦भारत टाइम्स♦

आमेट। श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर वीएचपी, बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी सहित हिंदू संगठनों द्वारा नगर में विशाल शोभायात्रा निकाली गई।इस शोभायात्रा में जय श्रीराम जय, वीर बजरंगी, हर हर महादेव के जयघोषों जैसे के बीच ढोल-नगाड़ों के साथ शोभायात्रा नगर रेलवे स्टेशन के पास माई राम मंदिर से प्रारम्भ होकर निकली। इस शोभायात्रा में निकाली गई शोभायात्रा में सिर पर केसरिया साफा बाधें महिलाएं-पुरुष जय श्री राम,ॐ नाम की बनी भगवा पताकाएं लहराते चल रहे थे।जय श्री राम के उद्घोष के साथ शोभायात्रा में केसरिया उपरना पहने सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष व युवा श्री राम के जयघोष करते हुए चल रहे थे।नगर वासियों द्वारा संपूर्ण नगर में शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा की गई। ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में धर्मावलंबी शोभायात्रा को देखने आमेट नगर में पहुंचे।शोभायात्रा में दुगार्वाहिनी कार्यकताओं व बजरंग दल के पहलवानों द्वारा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, सब्जी मंडी, रामचोक,शनिमाराज,द्वारा हैरतअंगेज

अखाड़ा प्रदर्शित कर शौर्य प्रदर्शन किया गया।वही इस शोभायात्रा में पताकाएं लहराते हुए दुगार्वाहिनी की बहिनों ने अग्नि शौर्य प्रदर्शन कर सबको आश्चर्यचकित किया।इस शोभायात्रा में विभिन्न धार्मिक झांकियां जिनमे राम दरबार,बाहुबली हनुमान,राधा कृष्ण, भगवान श्री राम की छवि सहित अन्य भगवान की छवियां सम्मलित हुई।कार्यकर्ताओ ने हनुमान जन्मोत्सव पर पूरे नगर को केसरिया पताका,झंडे, बड़े बड़े होल्डिंग व स्वागत द्वार से सजाया गया है।शोभायात्रा नगर रेलवे स्टेशन के पास माई राम मंदिर से प्रारम्भ होकर बस स्टैंड , लक्ष्मी बाजार,सब्जी मंडी,होलीथान,बडिपोल,जयसिंह श्याम मन्दिर, शनिमाराज होते हुए बाहर का अखाड़ा पंहुची।जहाँ पर महाआरती के पश्चात भगवान हनुमानजी को महा भोग लगा।प्रसाद भक्तजनों में वितरण किया गया।इस मौके पर शोभा यात्रा में संत हरिदास आड़ावाडा, नन्ददास पबराना,श्रीराम दास बाहर का अखाड़ा,वीएचपी जिलाध्यक्ष हीरालाल खटीक,उपाध्यक्ष गंभीरसिंह राठौड़, जिला मंत्री पिन्टू मेवाड़ा,नगर अध्यक्ष नारायण सिंह भाटी,छगन लाल सुथार, दिनेश सुथार,हनुमंत सिंह देवगढ़ ,पूरन सिंह सरेवड़ी ,किशन सिह कमेरी, देवीलाल गुर्जर खारा, एमएलए प्रतिनिधि देवद्दत सिंह राठौड़, राजेश पालीवाल, गंगासिंह चूंडावत,विक्रम सिंह चौहान,रविन्द्र सिंह कुम्पावत, शांतिलाल पालिवाल,माधव सिंह,सुरेंद्र सिंह पँवार, रतनसिंह चौहान,रमेशचंद्र मेवाडा ,सुरेश मेवाडा,दुर्गा वाहिनी की जिला संयोजिका पायल मेवाड़ा सह संयोजिका कृष्णा खटीक, मातृशक्ति जिला संयोजिका पद्मासोनी,अंतिमा गौतम, ज्योति,भूमि, दिव्या, प्रियंका, चांदनी मेवाड़ा,प्रतिभा माली,संजना वारी,तनीषा भाटी,कुमकुम ,रिंकु सरगरा,वैभव साहू, निर्मल माली,दिनेश कीर,नन्दलाल कीर, सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उपखंड अधिकारी श्रीमती रक्षा पारीक, तहसीलदार देवालाल,थाना अधिकारी सुरेंद्र सिंह शक्तवात, आरआई जोरावर सिंह ,पटवारी आदि उपस्थित थे।

आवश्यकता
भारत टाइम्स न्यूज को रिपोर्ट्स ओर अनुभवी मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। यदि आप हमसे जुड़ना चाहते है तो अपना बॉयोडाटा हमे ईमेल करे।
Bharattimesnews01@gmail.com
Whatsapp
9509745147
9799911545

हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही धूम धाम के साथ मनाया

विशाल चल समारोह का हुआ आयोजन

मनोज कसेरा/ झालावाड़। झालावाड़ जिले के चौमहला कस्बे में हनुमान जन्मोत्सव पर्व बड़े ही धूम धाम के साथ मनाया गया। कस्बे के राम मंदिर में भगवान राम और भगवान हनुमान की प्रतिमा का भव्य श्रृंगार कर मंदिरों में विशेष साज सज्जा और पूजा अर्चना की गई। वही हनुमान जन्मोत्सव पर्व पर श्री नगरपति बालाजी मित्र मंडल के तत्वाधान में चौमहला कस्बे में विशाल चल समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ ने भाग लिया। चल समारोह में मुख्य आकर्षण का केंद्र हनुमान जी के प्रतिरूपी बने 9 फिट के बाहुबली रहे। चल समारोह श्री राम मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर कस्बे के मुख्य मार्ग से होते हुए निकाला गया। चल समारोह में बैंड बाजे के साथ भगवान श्री राम हनुमान की झांकी, श्री राम लक्ष्मण सीता की झांकी साथ रही। चल समारोह में हनुमान भक्त ढोल नगाड़ों की धाप पर थिरकते नजर आए। वही चल समारोह कस्बे के मुख्य मार्गो पर होते हुए पुनः श्री राम मंदिर पहुंचा जहां भगवान राम, हनुमान की महाआरती ओर महाप्रसादी के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।

निष्पक्ष व निडर होकर मतदान को लेकर फ्लेग मार्च

♦भारत टाइम्स♦

बोरुंदा। सोहनलाल वैष्णव। थाना क्षेत्र के कई गाँवो में फ्लैग मार्च कर भय मुक्त व निष्पक्ष मत दान करने की अपील की। थानाधिकारी देवकिशन ने बताया कि हल्का क्षेत्र में बोरुंदा कस्बा, हरियाढाणा, खोजानगर, रणसीगांव में एक दर्जन से अधिक पुलिस व बीएसएफ के जवानों ने प्रमुख मार्गो से फ्लैग मार्च किया। जहां क्रिटिकल बूथ चेक करने, एचएस और थाने के वांटेड मुलजिमों के घर तलाशी ली गई। लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। सी विजिल एप्प डाउनलोड करवाया भी करवाया गया। तथा इसके उपयोग करने की

जानकारी दी गई। वहीं मतदाताओं को भय मुक्त, निष्पक्ष व स्वतंत्र रूप से मतदान करने की अपील की। इस दौरान थानाधिकारी देवकिशन, एचसी रामनिवास, एचसी श्रीराम, दिनेश, रामनरेश, सुनीता व अन्य मौजूद रहे।

मत चुको मतदान

मजबूत और निरपेक्ष लोकतंत्र के लिए मतदान आवश्यक

♦भारत टाइम्स♦

अमित कुमार चेचानी, चितौड़गढ़। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। यहाँ की संघीय सरकार प्रत्येक पाँच वर्ष के अंतराल पर चुनाव के माध्यम से चुनी जाती है। देश के नागरिक इस चुनावी प्रक्रिया में सीधे तौर पर भाग लेते हैं। भारतीय संविधान के अनुसार देश में नियमित, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव आयोजित करने का अधिकार निर्वाचन आयोग को प्राप्त है। चुनाव आयोजित करने एवं चुनाव के बाद के विवादों से संबंधित सभी विषयों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है। चुनाव में अपने मन के प्रत्याशी का चयन करना अधिकार है तो मतदान करना आपका अधिकार है। अक्सर हम इसके लिए स्वयं को निराश पाते हैं। हमारा एक तकियाकलाम होता है कि हमारे एक वोट से क्या बनना-बिगडा है लेकिन वे लोग भूल जाते हैं कि एक वोट से सरकार बन भी जाती है और गिर भी जाती है। जबकि हम यह जानते हैं कि एक मत से भी योग्य उम्मीदवार बाहर रह जाता है और अयोग्य प्रतिनिधि बन जाता है। **वोट हमारी जिम्मेदारी है-** जब तक मतदाता जागरूक नहीं होंगे तब तक हमारा लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सकता है,

लोकतंत्र में वोट का काफी महत्व है। लेकिन मतदाता इसके प्रयोग के प्रति लापरवाही बरतते हैं जो मजबूत लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। वोट हमारी जिम्मेदारी है, काफी सोच समझ कर इसका प्रयोग करना चाहिए। शत प्रतिशत मतदान से ही हम जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाली सरकार चुन सकते है। सभी को विचार पूर्वक हर प्रलोभन से मुक्त होकर मतदान करना चाहिए। हम अपने मताधिकार के माध्यम से स्वस्थ लोकतंत्र का निर्माण कर सकते हैं। स्वस्थ लोकतंत्र निर्माण के लिए अधिक से अधिक लोगों को लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर दूसरो को भी प्रेरित किया जाना चाहिए। मतदाता को सशक्त, सतर्क, सुरक्षित एवं जागरूक रहना चाहिए। देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं को बनाए रखने के लिए निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग,जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ लेनी चाहिए। मतदान का उच्च प्रतिशत जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक माना जाता है। हर भारतीय को मतदान करने के अधिकार पर गर्व होना चाहिए। युवा पीढी को मतदान के लिए जागरूक रहना चाहिए। एक जिम्मेदार मतदाता ही सभी में जागरूकता ला सकता है। हमें वोट डालने का अधिकार है इसका हमें उपयोग करना चाहिए। मतदान के प्रतिशत को बढ़ाना भी हमारी एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिससे लोकतंत्र को और मजबूत बनाया जा सके। **ना आए बहकावे में-** आज भी देश मे लोगों को जाति, भाषा, धर्म, नस्ल आदि के नाम पर भड़का कर वोट पाने की होड़ राजनीतिक पार्टियों में लगी रहती है और आश्चर्य की बात यह है की लोग उनके बहकावे मे आ भी जाते हैं। लोगों को पैसों आदि का लालच देकर भी बहकाया जाता है और उसी लालच के चलते जिनको वोट नहीं देना चाहिए, लोग उसी को अपना कीमती वोट दे देते हैं। यही होता है अपने कीमती वोट का दुरुपयोग। देश के हर नागरिक को ये बात समझनी चाहिए की लालच या बहकावे मे आकर जब आप वोट देते हैं तो वो एक तरह से लोकतंत्र पर घातक प्रहार के समान होता है। लोगों को इस विषय मे जागरूक होने की जरूरत है।

रायपुर मारवाड़ में श्री हनुमान जन्मोत्सव श्रद्धा-भक्ति के साथ धूमधाम से मनाया गया

शोभायात्रा के पहले भक्तों द्वारा सुबह से ही हनुमानजी की विशेष पूज-अर्चना की गई।

♦भारत टाइम्स♦

योगेंद्र होनावत (रायपुर मारवाड़)। रायपुर मारवाड़ में श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद्, बजरंग दल, दुगार्वाहिनी, मातृशक्ति रायपुर हनुमान मंदिर से भक्तों द्वारा श्रीराम व हनुमानजी की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के पहले भक्तों द्वारा सुबह से ही हनुमानजी की विशेष पूज-अर्चना की गई। जिनके बाद यात्रा को हनुमान मंदिर से प्रारंभ कर बाजे- गाजे के साथ मेला चौक से होते हुए मुख्य बाजार झूठा गली से बस स्टेशन ले जाया गया जहां हनुमान भक्तों व विशाल शोभायात्रा में शामिल लोगों का सेवा संकल्प समिति द्वारा चनामूंग का प्रसाद व शरबत बांटकर स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में हनुमान भक्त भगवा ध्वज लिए व भगवा वस्त्र धारण किये हुए थे जिससे गांव का माहौल भगवामय हो उठा। पूरी यात्रा के दौरान भक्तों के ₹जय जय राम जय श्रीराम जय हनुमान₹ के जयघोष नारों से गांव गूंज उठा। भक्त डीजे व धुमाल के धुनों में नाचते-कूदते आगे बढ़े जहां उनका स्वागत नगरवासियों ने फूलों से किया। पूरी यात्रा के दौरान श्रीराम लक्ष्मण व हनुमानजी की झांकी आकर्षण का केंद्र रहा यही नही शोभायात्रा में लोक कला सुआ नृत्य समिति की बहनों ने व लोक अखाड़ा एवं करतब दल (देवादा दुर्ग) के साथियों ने अपने नृत्य व करतबों से भक्तों व दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर मंदिर समितियों द्वारा भोग भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संभक्तों ने देर रात तक प्रसाद ग्रहण किया।

लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदान की दिलाई शपथ

♦भारत टाइम्स♦

भीलवाड़ा। स्थानीय संगम विश्वविद्यालय में जिला प्रशासन भीलवाड़ा तथा संगम विश्वविद्यालय के एनसीसी एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में सभी युवा छात्र छात्राओं को तथा पहली बार वोट डालने जा रहे विभिन्न आयु वर्ग के मतदाताओं को मतदान करने का संकल्प दिलाया।भीलवाड़ा उपखंड अधिकारी आईएएस निवृत्ति सोमनाथ द्वारा लगभग 450 से अधिक युवाओं, छात्र-छात्राओं, फैकेल्टी, स्टाफ को मतदान करने की तथा दूसरों को मतदान कराने की शपथ दिलाई। साथ ही युवाओं को मतदान का महत्व बताया। आईएएस निवृति सोमनाथ ने बताया कि किस तरह देश के निर्माण में हमारा कीमती वोट भागीदारी निभाता है तथा देश की तकदीर और तस्वीर बदल सकता है। संगम विश्वविद्यालय स्वीप कार्यक्रम नोडल अधिकारी डा. राजकुमार जैन ने बताया कि इस अवसर पर एनसीसी भीलवाड़ा के कमान अधिकारी लेफ्टीनेंट कर्नल तेजेंद्र शर्मा, संगम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर करूणेश सक्सेना, प्रो. प्रेसिडेंट प्रोफेसर मानस रंजन पाणिग्रही, रजिस्ट्रार प्रोफेसर राजीव मेहता तथा एनसीसी कैडेट, एनएसएस वॉलिंटियर आदि उपस्थित थे।

अजमेर-उज्जैन-अजमेर साप्ताहिक (10 ट्रिप) एवं अजमेर-दौंड-अजमेर साप्ताहिक (10 ट्रिप) स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन

♦भारत टाइम्स♦

अजमेर। रेलवे द्वारा आगामी गर्मियों की छुटिटयों में अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु अजमेर-उज्जैन-अजमेर साप्ताहिक (10 ट्रिप) एवं अजमेर-दौंड-अजमेर साप्ताहिक (10 ट्रिप) स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है। **उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसारः-** 1.09655/09656, अजमेर-उज्जैन-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा गाडी संख्या 09655, अजमेर-उज्जैन साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 27.04.24 से 29.06.24 तक (10 ट्रिप) अजमेर से शनिवार को 22.10 बजे रवाना होकर रविवार को 08.10 बजे उज्जैन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 09656, उज्जैन-अजमेर साप्ताहिक स्पेषल रेलसेवा दिनांक 28.04.24 से 30.06.24 तक (10 ट्रिप) उज्जैन से रविवार को 13.30 बजे रवाना होकर 23.40 बजे अजमेर पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में नसीराबाद, बिजयनगर, भीलवाडा, चित्तौडगढ, नीमच, मंदसौर, रतलाम व बडनगर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 02 सैकण्ड एसी, 07 थर्ड एसी, 06 द्वितीय शयनयान, 04 द्वितीय साधारण श्रेणी व 02 गार्ड डिब्बो सहित कुल 22 डिब्बे होगे। 2. 09657/09658, अजमेर-दौंड-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल गाडी संख्या 09657, अजमेर-दौंड साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 28.04.24 से 30.06.24 तक (10 ट्रिप) अजमेर से रविवार को 19.55 बजे रवाना होकर सोमवार को 18.20 बजे दौंड पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 09658, दौंड-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 29.04.24 से 01.07.24 तक (10 ट्रिप) दौंड से सोमवार को 23.10 बजे रवाना होकर मंगलवार को 20.35 बजे अजमेर पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में नसीराबाद, बिजयनगर, भीलवाडा, चित्तौडगढ, नीमच, मंदसौर, रतलाम, दाहोद, गोधरा, वडोदरा, भरूच, सूरत, वलसाड, वापी, बोईसर, वसई रोड, पनवेल, लोणावला व पुणे स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 01 सैकण्ड एसी, 06 थर्ड एसी, 07 द्वितीय शयनयान, 04 साधारण श्रेणी व 02 गार्ड डिब्बो सहित कुल 20 डिब्बे होगे।

काचीगुडा-लालगढ-काचीगुडा साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में विस्तार

♦भारत टाइम्स♦

जोधपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु काचीगुडा-लालगढ-काचीगुडा एवं सिकन्दराबाद-उदयपुर-सिकन्दराबाद साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह ने बताया कि गाडी संख्या 07053/07054, काचीगुडा-लालगढ-काचीगुडा साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा की संचालन अवधि में काचीगुडा से दिनांक 04.05.24 से 29.06.24 तक (09 ट्रिप) एवं लालगढ से दिनांक 07.05.24 से 02.07.24 तक (09 ट्रिप) विस्तार किया जा रहा है। **नोटः-** उपरोक्त रेलसेवा के संचालन समय एवं ठहराव पूर्ववत रहेंगे।

निःषुल्क चिकित्सा,जॉच एवं भर्ती षिविर 28 को

पंजीकृत मरीजों को मिलेगीं 10 मई तक मिलेगी निःषुल्क सुविधाएं

♦भारत टाइम्स♦

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, भीलों का बेदला उदयपुर एवं वाइब्रेन्ट अग्रवाल ग्रुप उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा परामर्श, जांच एवं भर्ती शिविर का आयोजन रविवार 28 अप्रेल 2024 को किया जा रहा है। प्रेस वार्ता को सम्बोन्धित करते हुए पेसिफिक मेडिकल कॉलेज के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अमन अग्रवाल ने बताया की इस शिविर में सर्व समाज के लोगों के लिए निःशुल्क परामर्श, जांचे व ऑपरेशन की सुविधा मिलेगी साथ ही षिविर में पंजीकृत मरीजा इस सुविधा का लाभ आगामी 10 मई तक ले सकेगें। इस दौरान वाइब्रेन्ट अग्रवाल ग्रुप के अनिल अग्रवाल ने बताया की रविवार

28 अप्रेल 2024 प्रातः 9.30 से 1.30 तक राजस्थान महिला विद्यालय (त्डट) गुलाबबाग रोड पर आयोजित इस निःशुल्क चिकित्सा परामर्श, जांच एवं भर्ती शिविर में पीएमसीएच के मष्तिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुलाभ वाजपेयी, मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. हनुवन्त सिंह राठौड, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. हरीश सनाड्य, जनरल फिजिशियन डॉ. निलेश पतीरा, नाक कान गला विशेषज्ञ डॉ. शिव कौशिक, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुरोध शाडिंल्य, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रमा चुण्डावत, आई वी एफ विशेषज्ञ डॉ. मनीषा वाजपेयी,चर्म रोग विषेशज्ञ डॉ. शिवानी भारद्वाज, किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहित नरेडी,वक्ष एचं क्षय रोग विषेशज्ञ डॉ. सुनील कुमार,जनरल सर्जन, डॉ. धवल शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सलोनी सिंह एवं दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप जैन षिविर में मरीजों की जॉच करेगें। शिविर में पंजीकृत मरीजों को परामर्श ई.सी.जी., ब्लड शुगर, ईको, टीएमटी, सोनोग्राफी, एक्सरे व अन्य प्रकार के खून एवं पेषाब की जांचे निःशुल्क की जायेगी। साथ ही मोतियाबिन्द के रोगीयों का लेन्स सहित ऑपरेशन,नाक कान गला,हर्निया एवं एपेन्डिस के निःशुल्क ऑपरेषन के साथ ही दांतों की बत्तीसी भी लगाई जाऐगी। इस अवसर शिविर संयोजक प्रिया मित्तल ने बताया की शिविर स्थल पर हड्डीयों की बीएमडी जांच एवं फेंफड़ों की मशीनों द्वारा निःशुल्क जांच की जायेगी आँख के मरीजों के पास की नजर के चश्में शिविर स्थल पर निःशुल्क प्रदान किये जायेगे। इस अवसर पर वाइब्रेन्ट ग्रूप के नवीन अग्रवाल, हर्ष जिंदल, स्वपनील अग्रवाल, षिषिर गर्ग,कुलदीप गोयल, पारूल अग्रवाल, हर्षु अग्रवाल आदि गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

नन्हे मुन्नो ने समझी मतदान प्रक्रिया और कठपुतलियों से समझा धरोहर का महत्त्व

♦भारत टाइम्स♦

उदयपुर । भूपाल नोबल्स पब्लिक स्कूल में मतदान जागरूकता अभियान के तहत विद्यालय की बाल वाटिका इकाई में एक रोचक गतिविधि करवाई गई। प्राचार्या डॉ. सीमा नरूका ने बताया की गतिविधि के तहत नन्हे विद्यार्थियों को मतदान प्रक्रिया के बारे में समझाया गया। इसके लिए बाकायदा मतदान केंद्र का सेटअप तैयार किया गया। ईवीएम मशीन बनाई गई एवं रोचक तरीके से नन्हे बच्चों को मतदान करवा कर उन्हें मतदान प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी दी गई। इस एक्टिविटी में बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। उपर्युक्त एक्टिविटी संयोजिका संगीता शर्मा के नेतृत्व में करवाई गई जो

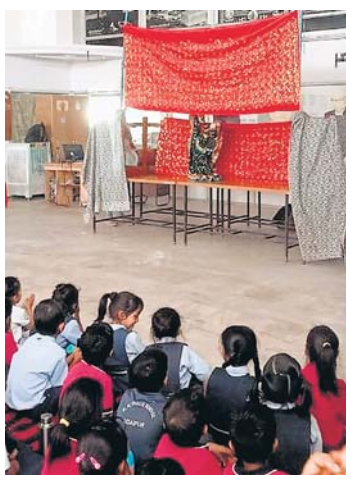

बेहद प्रभावशाली व रोचक रही। साथ ही कठपुतली कला जो हमारी सांस्कृतिक विरासत हैं के धरोहर महत्त्व को समझने के लिए कठपुतली शो आयोजन प्रताप शोध प्रतिष्ठान के तत्वावधान में किया गया। इसका उद्देश्य बच्चों को अपनी सांस्कृतिक विरासत की जानकारी देना था। वर्तमान में मनोरंजन के अत्याधुनिक साधन होने के बावजूद भी हमारी सांस्कृतिक धरोहर कठपुतली कला को जीवित रखना एवं नई पीढ़ी को इससे अवगत कराना हमारी सांस्कृतिक धरोहर को बचाने का एक प्रभावशाली माध्यम है। इसके माध्यम से बच्चों को सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों जैसे बड़ों का आदर करना, अनुशासन, सत्य, ईमानदारी एवं परिश्रम के महत्व को समझाया गया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति की जानकारी दी गई।

नेताओं के बिगड़े बोल पर सख्ती से नियंत्रण जरूरी

लोकसभा चुनाव का प्रचार उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। जैसे-जैसे चुनाव की तिथियां नजदीक आती जा रही है, प्रचार-अभियान में नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। अक्सर चुनावों के दौर में राजनीति में बिगड़े बोल एवं नफरत की राजनीति कोई नई बात नहीं है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। बिगड़े बोल का दोषी मानते हुए चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला को 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार करने से रोक दिया है। मथुरा से भाजपा प्रत्याशी एवं सिने अभिनेत्री हेमा मालिनी को लेकर की गई टिप्पणी को अपमानजनक मानते हुए आयोग ने सुरजेवाला के खिलाफ यह सख्त कार्रवाई की एवं कड़ा कदम उठाया है। लेकिन क्या इस एक्शन को सचमुच सख्त कहा जाना चाहिए? क्या आपत्तिजनक बयानबाजी और खास तौर से महिला सम्मान को ठेस पहुंचाने वालों के लिए इतनी ही सजा काफी है? ये सवाल इसलिए भी कि चुनावों को हम लोकतंत्र का महोत्सव कहते आए हैं और ऐसे बयान चुनावी उत्सवप्रियता में खलल डालने वाले साबित होते हैं। राजनीति में वाणी का संयम एवं शालीनता बहुत जरूरी है, क्योंकि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हो या राजद नेता लालूप्रसाद यादव प्रधानमंत्री को लेकर जो कुछ कहा हो भाजपा नेता ने सोनिया-राहुल को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हो, सार्वजनिक रूप से ऐसी टिप्पणियों को हेट स्पीच के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले भाषणों की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। विशेषतः महिला नेताओं एवं उम्मीदवारों पर की जा रही कथित विवादास्पद एवं अशालीन टिप्पणियां लोकतंत्र पर बदनुमा दाग बन रही है। इसी तरह सुरजवाला को हरियाणा की एक चुनावी सभा में हेमा मालिनी को लेकर की गई टिप्पणी के लिए दोषी ठहराया गया है। सुरजेवाला हो या कांग्रेस के अन्य नेता- इन सबको अपनी गलती का अहसास नहीं हुआ हो, ऐसा हो नहीं सकता। लेकिन पहले बयानबाजी कर बाद में लीपापोती करने में जुटना नेताओं का शगल होता जा रहा है। ज्यादा विवाद उठने लगे तो ऐसे तीखे एवं कड़वे बयानों के वीर एवं यौद्धा यह कहकर पल्ला झाड़ते नजर आते हैं कि उनके बयान को तोड़मरोड़ कर दिखाया गया है। कांग्रेस सहित अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बढ़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। आधुनिक तकनीकी एवं संचार -क्रांति के जमाने में हर व्यक्ति पत्रकार की भूमिका में हैं, सोशल मीडिया के दौर में जब हर हाथ में कैमरायुक्त मोबाइल रहने लगा है चुनावी सभाओं में कोई बयान सार्वजनिक हुए बिना रह ही नहीं सकता। बात केवल सुरजेवाला की ही नहीं है, इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व हिमाचल प्रदेश में मंडी से भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी कंगना रनौत को लेकर ऐसी ही अपमानजनक टिप्पणियां सामने आई थीं। चुनाव आयोग के संज्ञान में यह सब भी सामने आया था लेकिन बयान देने वालों को चेतावनी पत्र देकर ही छोड़ दिया गया। सुरजेवाला को लेकर आयोग के आदेश के बारे में यह जरूर कहा जा सकता है कि लोकसभा चुनाव प्रचार के इस दौर में आयोग ने किसी नेता को प्रचार से रोकने जैसा फैसला पहली बार किया है। अड़तालीस घंटे की रोक अवधि पूरी होने के बाद सुरजेवाला फिर चुनाव प्रचार कर सकेंगे, लेकिन इस बात की गारंटी कौन देगा कि आगामी दिनों में वे अपना बर्ताव संयत रखेंगे। वे अक्सर संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं हेट स्पीच के कारण चर्चा में रहते हैं। राजनेताओं के नफरती, अमर्यादित, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ भाषणों को लेकर चुनाव आयोग का सक्रिय होना नितान्त अपेक्षित है, जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने भी समय-समय पर बिगड़े बोलो पर कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मयार्दा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। कांग्रेस पार्टी ने भाषा एवं बयानों की मयार्दा को लांघा है। दरअसल, कांग्रेस में यह रिवाज ही बन चुका है। चुनाव में वह कुछ बुनियादी समस्याओं पर बोलने की बजाय है, कोई न कोई ऐसी नफरती एवं गैरजरूरी बयानबाजी कर ही देता है जिसका परिणाम आखिरकार पार्टी को भुगतना पड़ता है। इसी कारण पार्टी लगातार जनआधार खो रही है, रसातल में धंसती जा रही है और सुरजेवाला जैसे नेताओं को सजा भी मिलती है। पार्टी कोई सी भी हो, चुनावी सभाओं में नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते। नेता चाहे सत्ता पक्ष से जुड़े हों या प्रतिपक्ष से, अक्सर भाषणों में हदें पार कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निदेर्शों की भी इन्हें परवाह नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों ही चुनाव आयोग को मजबूत करने के प्रयास करते हुए उसे अपनी ताकत का अहसास भी कराया है। कोर्ट ने यहां तक कहा कि कुछ गलत होने पर उसे प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई करने से भी नहीं हिचकना चाहिए। चुनाव आयोग सख्ती दिखाए तो किसकी मजाल कि भरी सभाओं में जहर उगलती भाषा का इस्तेमाल कर जाए। दरअसल, इस तरह के प्रकरणों में आचार संहिता से ज्यादा नेताओं की आचरण संहिता की जरूरत रहती है। महिला हो या पुरुष, किसी के लिए भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल कतई नहीं होना चाहिए। होना तो यह चाहिए कि राजनीतिक दल आगे आकर पहल करें। आयोग से पहले खुद अपने ऐसे नेताओं पर सख्ती करे, जिनके विवादास्पद बयान चुनावी माहौल में जहर घोलने का काम करते हैं एवं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व पर आघात करते हैं। लोकतंत्र का महापर्व चुनाव राजनीतिक दलों एवं नेताओं के भविष्य को निर्धारित करने का दुर्लभ अवसर है।

मथुरा से भाजपा प्रत्याशी एवं सिने अभिनेत्री हेमा मालिनी को लेकर की गई टिप्पणी को अपमानजनक मानते हुए आयोग ने सुरजेवाला के खिलाफ यह सख्त कार्रवाई की एवं कड़ा कदम उठाया है। लेकिन क्या इस एक्शन को सचमुच सख्त कहा जाना

भोजशाला का ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार से करना है सर्वे, हमें और समय चाहिए,अरकने हाईकोर्ट से क्यों की मांग

मध्य प्रदेश की धार भोजशाला मामले में एएसआई पिछले एक महीने से सर्वे कर रही है। उसने इस काम को पूरा करने के लिए हाईकोर्ट से और समय की मांग की है। धार भोजशाला एएसआई सर्वे। मध्य प्रदेश की धार भोजशाला में हाईकोर्ट के आदेश के बाद पिछले एक महीने से एएसआई की टीम सर्वे कर रही है। भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर का सर्वे पूरा करने के लिए एएसआई ने हाईकोर्ट से 8 सप्ताह का और समय मांगा है। एएसआई ने इंदौर पीठ में दाखिल की गई अर्जी में कहा है कि इस परिसर का सर्वे करने की प्रक्रिया धीमी है। ऐसे में इसमें काफी समय लग सकता है। हाईकोर्ट में अब इस मामले की अगली सुनवाई 29 अप्रैल को होगी। इसमें एएसआई की नई अर्जी को लेकर भी सुनवाई हो सकती है। हाईकोर्ट ने दिया था सर्वे का आदेश बता दें कि हाईकोर्ट ने 11 मार्च को धार भोजशाला का एएसआई सर्वे करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने ह्यहिंदू फ्रंट फॉर जस्टिसह्न संगठन की याचिका पर अपने आदेश में 6 सप्ताह के अंदर भोजशाला का सर्वे कर उसकी रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने को कहा था। इसके बाद धार भोजशाला का सर्वे शुरू किया गया। नई याचिका में कहा गया है कि भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर के साथ इसकी पूरी परिधि का भी सर्वे किया जा रहा है। इसके लिए कई उपकरणों की जरूरत होगी। भोजशाला से जुड़े भराव से छिपाई गई मूल विशेषता एएसआई ने अपनी याचिका में कहा कि भोजशाला में सर्वे का काम बहुत ही व्यवस्थित और धीमी प्रक्रिया है। इसमें काफी समय लगता है। एएसआई ने अपनी याचिका में कहा कि स्मारक की बारीकी से जांच करने पर पाया गया कि प्रवेश द्वार के बरामदे में बाद में किया गया भराव इस संरचना की मूल विशेषताओं को छिपा रहा है। इस भराव को हटाने में काफी समय लगेगा। यह प्रक्रिया बहुत धीमी गति से की जाएगी जिससे मूल संरचना को किसी प्रकार की क्षति न हो। इसके लिए ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार की भी जरूरत होगी। धार भोजशाला विवाद क्या है? धार जिले की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक राजा भोज (1000-1055 ई.) परमार राजवंश के सबसे बड़े शासक थे। उन्होंने धार में यूनिवर्सिटी की स्थापना की। इसे बाद में भोजशाला के रूप में जाना जाने लगा। इस भोजशाला के मुगल काल में मस्जिद में परिवर्तित कर दिया गया। हिंदू पक्ष इसके सरस्वती मंदिर होने का दावा करता है। इसके सबूत के तौर पर हिंदू पक्ष की ओर से हाईकोर्ट में तस्वीरें भी पेश की गईं। फिलहाल यह भोजशाला केंद्र सरकार के अधीन है और इसका संरक्षण एएसआई करती है। एएसआई ने 7 अप्रैल 2003 को एक आदेश दिया जिसके मुताबिक हिंदुओं को प्रत्येक मंगलवार भोजशाला में पूजा करने की अनुमति है। वहीं मुस्लिमों को हर शुक्रवार इस जगह नमाज अदा करने की इजाजत दी गई है।

संपादकीय

मालदीव में नया ध्रुव, चीन के समर्थन और भारत के विरोध की नीति

राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद मुइज्जू ने भारत के प्रति अपने पूर्वाग्रहों को छिपाया नहीं और भारत को बाहर करो की नीति पर चलते हुए भारतीय सैनिकों को वापस भेजना शुरू कर दिया था। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुइज्ज मालदीव में पिछले वर्ष मोहम्मद मुइज्जू ने राष्ट्रपति चुनाव जीता, तभी साफ हो गया था कि वहां की सत्ता अब नए रास्ते पर बढ़ चली है। अब वहां हुए संसदीय चुनाव में भी मुइज्जू की पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस ने दो तिहाई से ज्यादा सीटों पर बड़ी जीत दर्ज कर ली है। इससे स्पष्ट है कि मालदीव का रुख पहले के मुकाबले बिल्कुल अलग होगा और प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उस पर चीन का असर दिखेगा। मुइज्जू की सबसे बड़ी राजनीतिक परीक्षा थी यह चुनाव दरअसल, संसदीय चुनाव को मुइज्जू की सबसे बड़ी राजनीतिक परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा था। हालांकि मुइज्जू और उनकी पार्टी की राजनीति को देखते हुए पिछले कुछ महीनों के दौरान मालदीव पर चीन के हावी होने को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक नहीं माना जा रहा था और वहां के संसदीय चुनाव पर उसका असर पड़ने की उम्मीद की जा रही थी। मगर ऐसा नहीं हुआ। अब मालदीव में मुइज्जू की पार्टी की भारी जीत को चीन के समर्थन और भारत के विरोध पर आधारित उनकी नीतियों पर मुहर के तौर पर देखा जाएगा। मालदीव के चुनाव में चीन समर्थक मुइज्जू की बड़ी जीत, 93 में से 66 सीटों पर ढठउ का कब्जा गौरतलब है कि राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद मुइज्जू ने भारत के प्रति अपने पूर्वाग्रहों को छिपाया नहीं और भारत को बाहर करो की नीति पर चलते हुए भारतीय सैनिकों को वापस भेजना शुरू कर दिया था। दूसरी ओर, पर्यटन से जुड़ी अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भारत पर अपनी निर्भरता को कम करने के साथ-साथ मालदीव ने तुर्किए और अन्य कई देशों के साथ समझौते किए। खासकर चीन के प्रति मुइज्जू का झुकाव सभी जानते हैं। उनके राष्ट्रपति बनने के बाद मालदीव की कई बड़ी परियोजनाओं का काम चीन की कंपनियों को मिल चुका है।

आस्था...

50 साल बाद एक साथ बने लक्ष्मी नारायण और बुधादित्य राजयोग, इन 3 राशि वालों को मिलेगा अपार पैसा...

वैदिक ज्योतिष अनुसार 50 साल बाद लक्ष्मी नारायण और बुधादित्य राजयोग बन रहा है। जिससे कुछ राशियों के अच्छे दिन शुरू हो सकते हैं... बन रहे लक्ष्मी नारायण राजयोग और बुधादित्य राजयोग- वैदिक ज्योतिष अनुसार बुध ग्रह ने 9 अप्रैल को वक्री अवस्था में मीन राशि में प्रवेश कर लिया है और मीन राशि में पहुंचते ही बुध ग्रह की सूर्य और शुक्र देव के साथ युति बन गई है। वहीं आपको बता दें कि मीन राशि में शुक्र और बुध ग्रह की युति से लक्ष्मी नारायण राजयोग तो सूर्य और बुध की युति से बुधादित्य राजयोग का निर्माण हो रहा है, यह राजयोग एक साथ कई साल बाद बन रहे हैं। ऐसे में इन राजयोगों के प्रभाव से कुछ राशियों की किस्मत चमक सकती है। साथ ही धन-दौलत में अपार बढ़ोतरी हो सकती है। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं सपने में गाय, गंगा और गीता देखने का क्या होता है मतलब, जानिए रियल लाइफ पर क्या पड़ता है प्रभाव मेष राशि आप लोगों के लिए लक्ष्मी नारायण और बुधादित्य राजयोग लाभकारी साबित हो सकता है। इस समय करियर के मोर्चे पर आपको अच्छी सफलता मिलेगी और अपना दायरा बढ़ाने में सफल रहेंगे। वहीं इस समय आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। वहीं इस दौरान आप कोई नया कार्य शुरू कर सकते हैं। वहीं दांपत्य जीवन की बात करें तो जीवनसाथी के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। वहीं इस समय आपक समाज में मान-सम्मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। साथ ही आप इस समय कोई वाहन और प्रापर्टी खरीद सकते हैं। वृष राशि लक्ष्मी नारायण और बुधादित्य राजयोग का बनना वृष राशि के जातकों को शुभ फलदायी सिद्ध हो सकता है। इस समय आपकी आय में जबरदस्त बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही आय के नए-नए सोर्स बन सकते हैं। वहीं इस दौरान आपको निवेश से अच्छा लाभ होगा और विदेश से भी सफलता मिलने के संयोग बन रहे हैं। वहीं इस समय आपको संतान से जुड़ा कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। साथ ही जो लोग एक्सपोर्ट और इंपोर्ट से जुड़ा व्यवसाय करते हैं तो उनको अच्छा लाभ हो सकता है। 24 घंटे बाद धन के दाता शुक्र करेंगे मेष में प्रवेश, इन राशियों की पलटेगी किस्मत, होगा अपार धनलाभ सिंह राशि आप लोगों के लिए लक्ष्मी नारायण और बुधादित्य राजयोग का बनना फायदेमंद सिद्ध हो सकता है। इस समय आप कोई वाहन या प्रापर्टी खरीद सकते हैं। साथ ही खुद का नया बिजनस भी शुरू कर सकते हैं।

आज का राशिफल

मेषः चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

मेषः आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। बच्चे और परिवार दिन का केंद्र-बिंदु रहेंगे। समय, कामकाज, पैसा, यार-दोस्त, नाते-रिश्ते सब एक ओर और आपका प्यार एक तरफ, दोनों आपस में खोए हुए - कुछ ऐसा मिजाज रहेगा आपका आज। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने गलत कामों का फल मिलेगा। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो ।

वृषभः शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। दिन के दूसरे हिस्से में कुछ दिलचस्प और रोमांचक काम करने के लिए बढ़िया वक़्त है। प्यार बहार की तरह है; फूलों, रोशनी और तितलियों से भरा हुआ। आज आपका रोमानी पहलू उभरकर आएगा। कार्यक्षेत्र में किसी विशेष व्यक्ति से आपकी मिलाकात हो सकती है। यात्रा करना फायदेमंद लेकिन महंगा साबित होगा।

मिथुनः क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा ।

मिथुनः नफरत की भावना महंगी पड़ सकती है। यह न केवल आपकी सहन-शक्ति घटाती है, बल्कि आपके विवेक को भी जंग लगा देती है और रिश्तों में हमेशा के लिए दरार डाल देती है। जो लोग अपने करीबियों या रिश्तेदारों के साथ मिलकर बिजनेस कर रहे हैं उन्हें आज बहुत सोच समझकर कदम रखने की जरुरत है नहीं तो आर्थिक नुक्सान हो सकता है। आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जीवनसाथी के बीच रिश्ते को मजबूत बनाएगा।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो ।

कर्कः प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुकसान तकरीबन पक्का है। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, खास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका खयाल रखते हैं। दूसरों को खुशियाँ देकर और पुरानी गलतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाकई तसल्ली होगी।

सिंहः मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।

सिंहः झगड़ालू स्वभाव को काबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। इससे बचने के लिए अपने नजरिए में खुलापन अपनाएँ और पूर्वाग्रहों को छोड़ें। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जीवनसाथी के बीच रिश्ते को मजबूत बनाएगा। आज अपने खूबसूरत कामों को दिखाने के लिए आपका प्रेम पूरी तरह खिलेगा। नयी योजनाओं को शुरू करने के लिए बढ़िया दिन है।

कन्याः टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्याः दूसरों के साथ खुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीके से इस्तेमाल करें तो वह काफी फायदेमंद साबित होगी। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की जरूरत होगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं।

तुलाः रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते ।

तुलाः आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बेहतरीन है, जिन्हें करके आप खुद के बारे में अच्छा महसूस करते हैं। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज्यादा करने का वादा कर देते हैं। ऐसे लोगों को भूल जाएँ जो सिर्फ गाल बजाना जानते हैं और कोई परिणाम नहीं देते। प्यार-मोहब्बत की नजरिए से बेहतरीन दिन है। प्यार का मजा चखते रहें। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा।

वृश्चिकः तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।

वृश्चिकः आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीजों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. माता-पिता के साथ अपनी खुशियाँ साझा करें। उन्हें महसूस करने दें कि आपके लिए उनकी कितनी अहमियत है, इससे उनका अकेलेपन का एहसास अपने आप खत्म हो जाएगा। हमारी जिंदगी का क्या फायदा, अगर हम एक-दूसरे का जीवन आसान न बना सकें।

धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे ।

धनुः अपनी क्षमताओं को पहचानें, क्योंकि आपके अन्दर ताकत की नहीं बल्कि इच्छा-शक्ति की कमी है। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं- लेकिन आज अपने खर्चों को बहुत ज्यादा बढ़ाने से बचें। पारिवारिक परेशानियों को हल करने में आपका बच्चों जैसा मासूम बर्ताव अहम किरदार अदा करेगा। आपका प्रिय आज रोमांटिक मूड में होगा। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मकरः भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी ।

मकरः शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आपका पैसा तभी आपके काम आएगा जब आप उसको संचित करेंगे यह बात भली भांति जान लें नहीं तो आपको आने वाले समय में पछताना पड़ेगा। मुसीबत के वक़्त परिवार से आपको मदद और सलाह हासिल होगी। आप दूसरों के तजुर्बों से कुछ सबक सीख सकते हैं। यह आपके आत्मविश्वास की मजबूती के लिए बहुत जरूरी है। प्यार-मोहब्बत के मामले में दबाव बनाने की कोशिश न करें।

कुंभः गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा ।

कुंभः कुछ तनाव और मतभेद आपको चिड़चिड़ा और बेचैन बना सकते हैं। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। परिवार के सदस्यों की जरूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाकई उनका खयाल रखते हैं। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। साझीदार से संवाद कायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। आपका आकर्षक और चुम्बकीय व्यक्तित्व सभी के दिलों को अपनी तरफ खींचेगा।

मीनः दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची ।

मीनः हृदय-रोगियों के लिए कॉफी छोड़ने का सही समय है। अब इसका जरा भी इस्तेमाल दिल पर अतिरिक्त दबाव डालेगा। आज के दिन धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन-देन से जुड़े मामलों में जितना आप सतर्क रहेंगे उतना ही आपके लिए अच्छा रहेगा। आपकी परेशानी आपके लिए खासी बड़ी हो सकती है, लेकिन आस-पास के लोग आपके दर्द को नहीं समझेंगे। शायद उन्हें लगता हो कि इससे उन्हें कोई लेना-देना नहीं है। दोस्ती में प्रगाढ़ता के चलते रोमांस का फूल खिल सकता है।

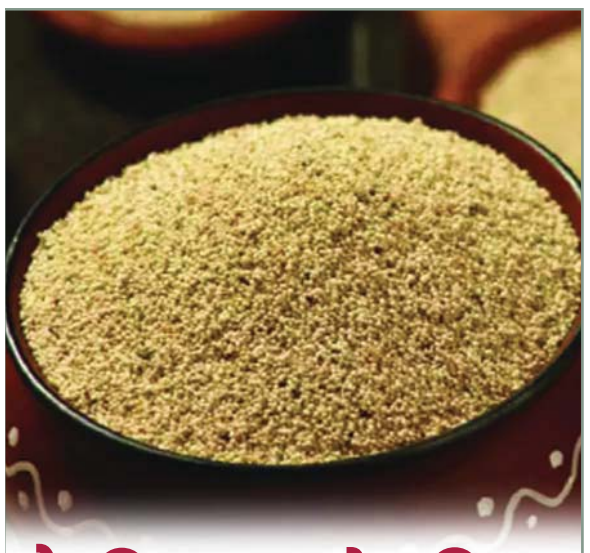

कैल्शियम के लिए खाएं खसखस

खसखस के बीज पूरे शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। लेकिन इनमें हड्डियों के लिए जरूरी कई सारे मिनरल्स होते हैं। इसलिए कमजोर हड्डियों को इन्हें खाने से मजबूती मिलती है।

शरीर की स्थिरता और मजबूती हड्डियों के दम पर होती है। इन्हीं से अंदर का ढांचा बनता है। अगर हड्डियां कमजोर हो जाती हैं तो चलना-फिरना तक मुश्किल हो जाता है। आपको बता दें कि हड्डियां कैल्शियम से बनी होती हैं, इसलिए इसकी बहुत जरूरत होती है। कैल्शियम पाने के लिए आप खसखस के बीज (पॉपी सीड्स) खा सकते हैं। इनमें भरपूर मात्रा में यह मिनरल मौजूद होता है। आपको बता दें कि ये बीज अफीम के पौधे से प्राप्त होते हैं। लेकिन इन्हें खाने लायक बनाने के लिए कई प्रोसेस के बाद इनसे नशा करने वाले तत्व निकाल दिए जाते हैं। सही मात्रा में इनका सेवन करने से कई फायदे मिलते हैं।

पोषण का भंडार हैं खसखस के बीज

खसखस के अंदर कैल्शियम के साथ फाइबर, प्रोटीन, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, जिंक, कॉपर, सेलेनियम, विटामिन ई आदि कई सारे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को हेल्दी रखने के लिए जरूरी हैं।

दूर होती है हड्डियों की कमजोरी

अगर कमजोरी की वजह से हड्डियों में दर्द हो रहा है तो खसखस के बीज जरूर खाएं। इनमें कैल्शियम, मैंगनीज, मैग्नीशियम और जिंक होता है। रिसर्च कहती है कि मजबूत हड्डियों के लिए इन सभी चीजों की जरूरत है।

वेट लॉस डाइट में करें शामिल

वेट लॉस के लिए फाइबर बहुत महत्वपूर्ण है। यह पेट को देर तक भरा रखता है और पाचन भी बेहतर करता है। अन्य बीजों की तरह खसखस में भी फाइबर की उच्च मात्रा होती है।

दर्द से छुटकारा दिलाता है खसखस

अनप्रोसेस्ड पॉपी सीड्स पर morphine, codeine, the-baine जैसे तत्व हो सकते हैं। दर्द से निजात दिलाने के लिए ये तत्व पेन किलर दवाओं के अंदर डाले जाते हैं। हालांकि, बिना प्रोसेस किए खसखस के बीज खाने से पहले किसी एक्सपर्ट की राय लेनी चाहिए।

इस वक्त मिलेंगे खसखस के फायदे

खसखस के बीजों को कभी भी खाया जा सकता है। हालांकि, सुबह खाली पेट इनका सेवन ज्यादा लाभदायक माना जाता है। मगर ध्यान रहे कि इसे खाने से पहले किसी एक्सपर्ट से सही मात्रा की जानकारी ले लें।

सुधर जाएगी हार्ट की हेल्थ

खसखस बीज के तेल में मोनो और पॉली अनसैचुरेटेड फैट होता है, जो कोलेस्ट्रॉल को घटाने में मदद करते हैं। ये हेल्दी फैट होते हैं, जो हार्ट के लिए काफी फायदेमंद हैं और हार्ट अटैक से बचाते हैं।

कई बीमारियों की वजह है ज्यादा नमक खाना

नमक हमारे खाने का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह किसी भी खाने को स्वादिष्ट बनाता है। इसके बिना कोई भी खाना बेस्वाद लगता है। क्या आप जानते हैं कि दुनियाभर में लोग जरूरत से ज्यादा नमक सेवन करते हैं। बहुत कम लोग ऐसे हैं, जो इस चीज का हिसाब रखते हैं कि वो एक दिन में कितना नमक खा रहे हैं। बता दें कि बहुत अधिक नमक कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देता है। इससे शरीर के प्रमुख अंगों को नुकसान के साथ चयापचय संबंधी स्वास्थ्य समस्याएं विकसित होने लगती हैं।

ज्यादा नमक यानी हेल्थ रिस्क

नमक दो चीजों से तैयार किया जाता है, जो कि है सोडियम और पोटेशियम। हम जो नमक खाते हैं, उसमें सोडियम की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जबकि पोटेशियम बहुत कम मात्रा में होता है। सोडियम को ज्यादा मात्रा में लेने पर लोग ब्लड प्रेशर के शिकार हो जाते हैं और उन पर हमेशा स्ट्रोक और हार्ट अटैक का खतरा मंडराता रहता है। बहुत ज्यादा नमक खाने से शरीर में कैल्शियम की कमी भी हो जाती है, जिसके चलते हड्डियां उम्र से पहले कमजोर होने लगती हैं।

ज्यादा नमक से क्या-क्या खतरा

ऐसे कई लोग हैं, जिन्हें खाने में ऊपर से नमक डालने की आदत होती है। ऐसा करने से उन्हें खाने में स्वाद तो बहुत आता है, लेकिन ऐसे बहुत जल्दी वॉटर रिटेंशन से ग्रसित होते हैं और उनका शरीर फूला हुआ दिखाई देता है। कई रिसर्च के अनुसार, ज्यादा नमक के सेवन से पेट के कैंसर होने का खतरा भी बढ़ जाता है।
डॉ ब्रांका के अनुसार, हममें से ज्यादातर लोग हर चीज में बहुत ज्यादा नमक खा रहे हैं। हर दिन 5 ग्राम से ज्यादा नमक का सेवन नहीं करना चाहिए। आसान तरीके से समझना है, तो याद रखें कि आपके हर खाने में एक छोटा चम्मच नमक ही होना चाहिए। इससे अधिक सेवन करना सेहत के लिए अच्छा नहीं है। यह दुनिया में औसतन लोगों द्वारा उपभोग किए जाने वाले नमक का आधा है।

एक चिप्स के पैकेट में भरकर होता है नमक

विशेषज्ञ बताते हैं कि घर से बाहर आप जो भी फूड खाते हैं, उसमें नमक की मात्रा जरूरत से ज्यादा होती है। दिनभर में आपको जितना नमक खाना चाहिए, उसका आधा आपको 150 ग्राम चिप्स के पैकेट में मिल जाता है। हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार, आलू के चिप्स की एक सर्विंग में 170 मिग्री सोडियम पाया जाता है। जो शरीर की जरूरत से कई गुना ज्यादा है।

धीरे-धीरे कम करें नमक का सेवन

अगर आप नमक खाने के आदी हैं, तो एकदम से इसका सेवन कम न करें। डॉ. ब्रांका का सुझाव है कि इसका सेवन धीरे-धीरे कम कर अपने स्वाद को समायोजित कर सकते हैं। हालांकि, अपनी इस आदत को सुधारने में कुछ हफ्ते लगेंगे, लेकिन यह मुमकिन है। इसके अलावा विशेषज्ञ ने भोजन में कम नमक डालने की भी सलाह दी है।

प्रोसेस्ड फूड से करें परहेज

डॉ. ब्रांका कहती हैं कि हम सभी प्रोसेस्ड फूड से

जितना परहेज करें, उतना अच्छा है। इनमें सबसे ज्यादा मात्रा में नमक पाया जाता है। इसलिए कोशिश करें, कि इन्हें कम से कम खरीदा जाए। डॉ. ब्रांका कहती हैं कि बाजार के नमकीन स्नैक खाने के बजाय फल और सब्जियां खाने की आदत डालें। इनमें न केवल नमक बहुत कम मात्रा में होता है, बल्कि इसके सेवन से शरीर में जरूरी मिनरल्स की कमी भी पूरी हो जाती है।

रेडी-टू-ईट फूड में बेहिसाब नमक

आज की मार्डन जनरेशन रेडी-टू-ईट फूड पर भरोसा करती है। बिजी शेड्यूल के कारण मार्केट में मिनटों में तैयार होने वाले पैक्ड फूड की डिमांड भी सबसे ज्यादा है। डॉ. ब्रांका के अनुसार, ब्रेड, पनीर, प्रिजर्व्ड मीट और स्नैक्स में 80 प्रतिशत नमक पाया जाता है।

साइकल चलाते समय न करें ये गलतियां

अधिकतर लोग खुद को फिट रखने के लिए साइकिल चलाना पसंद कर रहे है और फिटनेस के लिए इसे अपनी रूटीन में शामिल कर रहे है। वैसे भी फिट और एक्टिव रहने के लिए साइकिल चलाना बेस्ट माना जाता है। यदि नियमित रूप से साइकिल चलाई जाए तो इससे बॉडी की पूरी एक्सरसाइज होती है। और टोन्ड और परफेक्ट फिगर पा सकते है। लेकिन साइकिल चलाते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। वरना सेहत से जुड़ी अन्य समस्या हो सकती हैं।

- कुछ लोगों की आदत होती है कि वे बार-बार पानी पीते है, ये बिलकुल अच्छी बात है लेकिन साइकिल चलाते समय अधिक मात्रा में पानी नहीं पीना चाहिए। क्योंकि साइकिल चलाते वक्त अधिक मात्रा में पानी पीया जाएं तो इससे मतली की समस्या होने लगती है। वहीं ज्यादा पानी पीने से बार-बार पेशाब आएगी। जिससे पेट में दर्द हो सकता है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त पानी न पीएं।
- साइकिल चलाना फिट रहने के लिए एक बेस्ट विकल्प है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त फास्ट फूड या फिर जंक फूड से दूरी रखना ही बेहतर होता है, क्योंकि अनहेल्दी खाने से शरीर में फेट बढ़ता है। इससे आप सुस्त महसूस करेंगे।
- साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। वैसे आमतौर पर वर्कआउट से पहले स्टेचिंग की सलाह दी जाती है। लेकिन साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। इससे मांसपेशियां कमजोर हो सकती है और उनमें खिंचाव आ सकता है। यदि आप स्टेचिंग करना चाहते है तो कम से कम आधे घंटे पहले करें।
- कई बार ऐसा होता है कि हम साइकिल राइड को मजेदार बनाने के लिए स्टंट करना शुरू कर देते हैं। इससे एक्सीडेंट होने की संभावना अधिक रहती है।

औषधीय गुणों की खान है इलायची

आमतौर पर अधिकतर घरों में इलायची का सेवन मुखशुद्धि के लिए अथवा मसाले के रूप में किया जाता है। यह दो प्रकार की आती है- हरी या छोटी इलायची तथा बड़ी इलायची। जहां बड़ी इलायची व्यंजनों को लजीज बनाने के लिए एक मसाले के रूप में प्रयुक्त होती है, वहीं हरी इलायची मिठाइयों की खुशबू बढ़ाती है। मेहमानों की आव भगत में भी इलायची का इस्तेमाल होता है। लेकिन इसकी महत्ता केवल यहीं तक सीमित नहीं है। यह औषधीय गुणों की खान है। आइए, जानें इनके औषधीय गुणों को। छोटी इलायची और बड़ी इलायची से होने वाले फायदों के बारे में

- **खराश** : यदि आवाज बैठी हुई है या गले में खराश है, तो सुबह उठते समय और रात को सोते समय छोटी इलायची चबा-चबाकर खाएं तथा गुनगुना पानी पीएं।
- **सूजन** : यदि गले में सूजन आ गई हो, तो मूली के पानी में छोटी इलायची पीसकर सेवन करने से लाभ होता है।
- **खांसी** : सर्दी-खांसी और छींक होने पर एक छोटी इलायची, एक टुकड़ा अदरक, लौंग तथा पांच तुलसी के पत्ते एक साथ पान में रखकर खाएं।
- **उल्टियां**: बड़ी इलायची पांच ग्राम लेकर आधा लीटर पानी में उबाल लें। जब पानी एक-चौथाई रह जाए, तो उतार लें। यह पानी उल्टियां रोकने में कारगर सिद्ध होता है।
- **बदहजमी** : यदि केले अधिक मात्रा में खा लिए हों, तो तत्काल एक इलायची खा लें। केले पच जाएंगे और आपको हल्कापन महसूस होगा।
- **जी मिचलाना** : बहुतों को यात्रा के दौरान बस में बैठने पर चक्कर आते हैं या जी घबराता है। इससे निजात पाने के लिए एक छोटी इलायची मुंह में रख लें।
- **छाले** : मुंह में छाले हो जाने पर बड़ी इलायची को महीन पीसकर उसमें पिसी हुई मिश्री मिलाकर जुबान पर रखें, तुरंत लाभ होगा।
- **बड़ी इलायची की चाय** : सर्दियों के मौसम में खांसी-जुकाम हो जाने पर बड़ी इलायची की चाय या इसका काढ़ा बनाकर पीने से ठंड से राहत मिलती है।
- **कैफीन और विषैले पदार्थ** : बड़ी इलायची शरीर में जाकर एक डिटॉक्सीफायर का काम करती है। ये आपके शरीर से कैफीन और विषैले पदार्थों को बाहर निकाल फेकती है। इसका प्रभाव आपके चेहरे पर भी दिखता है और त्वचा में निखार आ जाता है।
- **कैंसर** : बड़ी इलायची में इस तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो कि कैंसर के मरीज को फायदा पहुंचाते है।
- **मजबूत बाल** : इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेटिव आपके सिर की त्वचा को पोषण देते है जिस वजह से बाल मजबूत होने लगते है।
- **तनाव व घबराहट** : यदि किसी को जल्द ही थकान, तनाव व घबराहट होती है, तो बड़ी इलायची को पीस कर, शहद में मिलाकर लेने से फायदा होगा।
- **सिर दर्द** : सिर दर्द होने पर भी बड़ी इलायची का सेवन लाभदायक होता है।
- **दांत का दर्द** : बड़ी इलायची और लौंग तेल को बराबर-बराबर मात्रा में लें। इसे दांतों पर मलने से दांत का दर्द ठीक होता है।
- **बड़ी इलायची का काढ़ा** : 4-5 बड़ी इलायची के फल को 400 मिली पानी में उबाल लें। इस काढ़ा से कुल्ला करने से दांत दर्द ठीक होता है।
- **मुंह के सूजन** : 2-3 बड़ी इलायची के छिलकों को पीसकर खाने से दांत की बीमारियों तथा मुंह के सूजन में लाभ होता है।
- **अधिक थूक बनना** : यदि मुंह में अधिक थूक आता हो या लार बहती हो तो बड़ी इलायची और सुपारी को बराबर-बराबर पीसकर मिला लें। इसे 1-2 ग्राम मात्रा में लेकर चूसते रहने से थूक कम बनता है और लार का बहना बंद हो जाता है।
- **सांसों के रोग** : 5-10 बूंद बड़ी इलायची तेल में मिश्री मिलाकर नियमित सेवन करने से सांसों के रोग में लाभ होता है।
- **भूख ना लगना** : एक ग्राम बड़ी इलायची बीज चूर्ण में 4 ग्राम मिश्री मिलाकर 1 ग्राम सुबह और शाम सेवन करने से गर्भवती स्त्री को भूख ना लगने की परेशानी में लाभ होता है।
- **मुंह से दुर्गंध** : अगर आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो बड़ी इलायची चबाना एक अच्छा उपाय है। इसके अलावा मुंह के घावों को ठीक करने के लिए भी बड़ी इलायची को इस्तेमाल में लाया जा सकता है।

पूर्वोत्तर रेलवे ट्रेनो में विशेष चेकिंग अभियान चलाकर आरक्षित यात्रियों को दिलाई सीट

♦भारत टाइम्स♦

(शीतल निर्भीक) वाराणसी। ग्रीष्मकाल में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुये मंडल रेल प्रबंधक विनीत कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन पर वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर होने वाली अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने हेतु नियमों के प्रति जागरूकता एवं भीड़ नियंत्रण हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है । इस दौरान आज मंगलवार को मुहगाड़ी संख्या15159 सारनाथ एक्सप्रेस में छपरा के टिकट जाँच स्पेशल स्क्वाड एवं वाराणसी कामर्शियल की रेड टीम के साथ छपरा एवं औड़िहार के मध्य टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया । इस अभियान में रेलवे सुरक्षा बल फढ-ऋ के जवानो का भी सहयोग लिया गया । इस अभियान के दौरान बेटिकट, वेटिंग टिकट यात्रियों को फाइन करने के साथ उन्हें रिजर्व कोच में न बैठने की हिदायत दी गयी। ऐसे यात्री जिनके पास कन्फर्म टिकट न हो उन्हें जनरल कोच में भेजा गया। स्लीपर क्लास एवं वातानुकूलित क्लास के उन यात्रियों को जिनकी बर्थ कन्फर्म है उनकी यात्रा को सुविधा पूर्ण बनाने के लक्ष्य से यह अभियान चलाया गया। इसी क्रम में वाराणसी मंडल के विभिन्न स्टेशनों से मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, पुणे आदि गंतव्यों की लंबी दूरी की यात्रा के लिए निकलने वाली गाड़ियों में वाराणसी मंडल की टिकट रेड और आईसीपी टीमें टिकट जाँच के साथ-साथ किसी भी अनारक्षित यात्री या बिना टिकट वाले यात्रियों को आरक्षित डिब्बों में प्रवेश करने से रोक रहीं है ,यदि इन डिब्बों में ऐसे यात्री पाए जा रहे हैं, तो मौजूदा नियमों और दिशानिर्देशों के अनुसार जुमार्ना लगाने के साथ अन्य वांछित कार्रवाई की जा रही है । इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आरक्षित डिब्बे जो वैध आरक्षित टिकट वाले यात्रियों के लिए हैं, उनमें बिना टिकट वाले यात्रियों द्वारा अनावश्यक रूप से न यात्रा करें। इस बात का पूरा ध्यान रखा जा रहा है कि आरक्षित श्रेणी के टिकट या अनारक्षित श्रेणी के टिकट वाले किसी भी यात्री को अनावश्यक असुविधा न हो। अभियान का उद्देश्य उन लोगों को सुविधा प्रदान करना है जिनके पास वैध टिकट है जिससे वह एक आरामदायक यात्रा कर सकें। वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों के प्लेटफार्मों एवं फुट ओवर ब्रिजों पर भीड़ नियंत्रण दिव्यांग महिलाओं /वृद्ध/बच्चों को खड़ी ट्रेन मे चढ़ने/उतरने मे मदद की जा रही है।इसके अतिरिक्त यात्रियों की आवश्यकता अनुसार उनके लगेज उठाने,पानी भरने,व्हील चेयर उपलब्ध कराने तथा कुली व टैक्सी को बुलाने में सहयोग किया जा रहा है। वाराणसी मंडल का रेलवे प्रशासन ग्रीष्मकाल में यात्रियों से आग्रह करता है कि वे वैध प्राधिकरण के बिना अपनी यात्रा की योजना न बनाएं, यदि पाया जाता है, तो जुमार्ना लगाया जाएगा गंभीर उल्लंघन के मामले में मौजूदा नियमों और विनियमों के अनुसार अभियोजन जैसी आगे की कार्रवाई की जाएगी। यात्रियों से आग्रह किया जाता है कि वे अपने संबंधित डिब्बों में केवल वैध टिकट के साथ यात्रा करके रेलवे प्रशासन की मदद करें। इस आशय की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को दी।

श्री सैन जी महाराज की 724वी जयंती व शोभायात्रा निकालने पर चर्चा

♦भारत टाइम्स♦

कोटपूतली बहरोड । संत शिरोमणि सैन जी महाराज की 724वी जयंती मनाने के लिए कार्यक्रम को अंतिम रूप देखकर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित सैन समाज के मंदिर में मीटिंग का आयोजन रामकुवार सैन खडब,रामुतार सैन बेरी की अध्यक्षता में किया गया। सैन जयंती प्रधान कैलाश चंद पचेरिया नारेहडा ने बताया कि 5 मई रविवार को सैन जी महाराज की 724वीं जयंती पर हर वर्ष की भांति भव्य शोभायात्रा,झांकी, कलश यात्रा,मूर्ति पूजा,महा आरती,बाबा की भेंट,लेखा-जोखा समाज उत्थान व मंदिर निर्माण हेतु विचार विमर्श किया गया। कलश यात्रा सुबह 8:00 बजे से निकल जाएगी दोपहर 11:00 बजे महा आरती उसके बाद प्रसादी वितरण किया जाएगा। मीटिंग का संचालन नेतराम सैन रामपुरा ने किया। इस मौके पर सैन मंदिर निर्माण समिति प्रधान वेद प्रकाश सैन,भामाशाह बैध श्यामलाल ,उदमीराम, संजय खेड़की, सुरेश गोरधनपुरा,राकेश खड़ब, क्रिष्न सैन,अशोक बखराना, राधेश्याम सागटेडा, भम्भुराम,विनोद दातिल ,संजीव मास्टर, मालाराम मलाला, कैलाश सैन आजाद चौक एवं सभी समाज के बंधु उपस्थित रहे। यह सूचना श्री नारायणी सेना अध्यक्ष ओमप्रकाश सैन ने दी।

सड़कों के चलने योग्य बनाने के लिए विकास प्राधिकरण ने की समीक्षा

- कुछ समय पूर्व इस क्षेत्र के लिए एक करोड़ रुपए वाराणसी विकास प्राधिकरण से सड़कों के चलने योग्य बनाने के लिए अवमुक्त हुए थे। उसके कार्य की समीक्षा उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण द्वारा किया गया।

♦भारत टाइम्स♦

संजय यादव। रामनगर। वाराणसी। रामनगर औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार दोपहर 12:00 बजे एक बैठक पुलकित गर्ग उपाध्यक्ष वाराणसी विकास प्राधिकरण के साथ रखी गई थी।बैठक में रामनगर औद्योगिक क्षेत्र के बाहर स्थित इकाईयों में मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था में वाराणसी विकास प्राधिकरण की क्या भूमिका हो सकती है इसी पर चर्चा की गई। कुछ समय पूर्व इस क्षेत्र के लिए एक करोड़ रुपए वाराणसी विकास प्राधिकरण से सड़कों के चलने योग्य बनाने के लिए अवमुक्त हुए थे उसके कार्य की समीक्षा उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण द्वारा किया गया। पुलकित गर्ग ने सम्पूर्ण क्षेत्र का भ्रमण कर मूलभूत सुविधाएं की आवश्यकता का अवलोकन किया। आगमन पर सुरेश पटेल एवं राकेश जायसवाल ने पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।बैठक अनमोल के प्रतिष्ठान बारू पॉलिटेक्स के सभागार में रखा गया था। जिसमें विकास प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों के अतिरिक्त राकेश जायसवाल,सुरेश पटेल,सुरेन्द्र सोनी, रामकृष्ण,संजय श्रीवास्तव, अरविन्द अग्रवाल,हरिओम,आर के सिंह सहित अनेक उद्यमियों ने अपने विचार रखे।कार्यक्रम के बाद अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया गया।

उत्तर भारत का प्रसिद्ध नृत्य कत्थक की प्रस्तुति सुनिधि पाठक द्वारा प्रस्तुत

♦भारत टाइम्स♦

संजय यादव। वाराणसी। प्रत्येक पूर्णिमा का सांस्कृतिक अनुष्ठान ₹कलानिधि₹ चंद्रमा का पर्याय है जो मन का कारक है शांत एवं निस्वार्थ भाव से किया गया कोई भी कार्य असीम शीतलता प्रदान करता है।सात वार नौ त्यौहार की अद्भुत नगरी काशी में सुबह ए बनारस के अंतर्गत कलानिधि कार्यक्रम में गायन वादन एवं नृत्य के साथ-साथ आध्यात्मिक कड़ी को भी समायोजित करने एक अद्भुत प्रयास किया गया है जिसमें इस नगर की प्रतिष्ठित संस्था पाणिनि कन्या महाविद्यालय की आचार्या एवं ऋषिकाओं के मध्य शास्त्रार्थ एवं यज्ञ को जीवंत करने का एक अद्भुत प्रयास साकार किया गया। प्रथम चरण में -कार्यक्रम का शुभारंभ शास्त्रार्थ एवं यज्ञ से किया गया।शास्त्रार्थ का विषय-वैदिक यज्य का महात्म और सनातन परंपरा जिसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों आचार्य संजीवनी पांडे और उनकी शिष्याओं कनिष्का ,ऋतंभरा, ऋषिता, सिद्धि ,जागृति, सौम्या, अनुष्का, हव्या , नारायणी उपस्थित रहे। द्वितीय चरण में इसके पश्चात मातृ शक्तियों द्वारा भजन की प्रस्तुति प्रस्तुत की गई।₹श्याम चंदा है श्यामा चकोरी बड़ी सुंदर है दोनों की जोड़ी₹₹राधे कौन से पूर्ण किया तुमने हरि रोज तेरे घर आते हैं भजन कलाकार जिसमें मंजू मिश्रा , निधि केसरी,नीलम सिंह ,अर्चना अग्रवाल, डॉ पूर्णिमा मिश्रा ,मंजू गुप्ता, स्नेह लता पाण्डेय, दीपालीश्रीवास्तव, सरोजिनी महापात्र, रश्मि पांडेय, संगत कलाकार के रूप में हारमोनियम पर हरिप्रिया, वागीशा पांडेय, और तबले पर कन्हैया पांडे उपस्थित रहे। तृतीय चरण में उत्तर भारत का प्रसिद्ध नृत्य कत्थक की प्रस्तुति सुनिधि पाठक द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कृष्ण वंदना, शुद्ध नृत्य में तीन ताल में टुकड़े ,लड़ी इत्यादि की प्रस्तुति भाव पक्ष में कृष्ण भजन कौन गली गयो श्याम की प्रस्तुति और समापन तराना से किया कलानिधि कार्यक्रम की परिकल्पना एवं संयोजन सुबह ए बनारस के सचिव संस्थापक डॉ रत्नेश वर्मा जी ने किया । धन्यवाद ज्ञापन सुबह ए बनारस के उपाध्यक्ष श्री प्रमोद मिश्रा जी ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के राष्ट्रीय निदेशक डॉ अभिजीत दीक्षित उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन सीमा केसरी ने किया।इस अवसर पर श्याम कुमार केसरी,अभय श्रीवास्तव, अजय पांडे, कृष्ण मोहन पांडे, एवं भारी संख्या में दर्शकागण उपस्थित रहे।

मानसून अवधि में गाडियों कें संचालन समय में परिवर्तन

रेलवे प्रशासन द्वारा मानसून अवधि में कोंकण रेलवे पर संचालित अजमेर-एनार्कुलम-अजमेर, हिसार-कोयम्बटूर-हिसार एवं श्रीगंगानगर-कोचुवेली-श्रीगंगानगर की समय-सारणी में दिनांक 10.06.2024 से 31.10.2024 तक परिवर्तन किया है। मानसून समय-सारणी दिनांक 10.06.2024 (प्रारम्भिक स्टेशन से) से प्रभावी होगी।

अरावली में 15 दिवसीय सघन स्वीप कार्यक्रम का आयोजन

- अरवल्ली जिले में अधिक से अधिक लोगों को वोट देने और लोकतंत्र के अवसर में भाग लेने के लिए मतदान जागरूकता अभियान

♦भारत टाइम्स♦

भरतसिंह, आर,ठाकोर अरवली, गुजरात। अरावली जिला विकास अधिकारी की अध्यक्षता में अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें 15 दिनों के स्वीप के बाद अगले 15 दिनों में अरावली जिले में विभिन्न मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं आरडब्ल्यूएस गतिविधि, मतदाता जागरूकता कार्यक्रम = एवीएसएआर, छात्रों के लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, सैडिवोकैथॉन, फ्लैशमॉब, केवाईपीएस अभियान, रात्रि क्रिकेट टूनामेंट,डेरियों पर हस्ताक्षर अभियान, मासमेंहदी कार्यक्रम, बाइक रैली, विशाल रंगोली, रनफोरवोट जैसे कई मतदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अरावली जिला.जिसमें जिला विकास अधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए संबंधित तालुकों में होने वाले कार्यक्रम के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं एवं जन जागरूकता में अधिक से अधिक लोगों को शामिल कर सुचारु रूप से आयोजित करने को कहा.

अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 92 बदमाशों का जिलाबदर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया

♦भारत टाइम्स♦

रतलाम / जगदीश परमार। पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री राहुल कुमार लोढा द्वारा जिले मे लोक शांति बनाये रखने, आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण बनाए रखने, हिंसक गतिवियों को हतोत्साहित करने व क्षेत्र की सुरक्षा आदि की दृष्टि से में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त, विभिन्न आपराधिक प्रवृत्ति वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के उद्देश्य से कलेक्टर महोदय के समक्ष जिलाबदर प्रतिवेदन प्रस्तुत किए गए। आचार संहिता के पूर्व थाना माणकचौक क्षेत्र के 02, थाना आई ए जावरा के 06 कुल 08 बदमाशो के जिलाबदर प्रतिवेदन प्रस्तुत किए गए थे। आचार संहिता के दौरान थाना माणकचौक के 08, थाना स्टेशन रोड के 12, थाना आई ए रतलाम के 14, थाना डीडी नगर के 14, थाना बिलपांक के 02, थाना नामली के 05, थाना जावरा शहर के 04, थाना आई ए जावरा के 02, थाना रिंगनोद के 01, थाना बड़ावदा के 05, थाना आलोट के 02, थाना ताल

के 06, थाना बरखेड़ा कला के 03, थाना सैलाना से 02, थाना सरवन से 01, थाना रावटी से 01, थाना बाजना से 02 आपराधिक प्रवृत्ति के बदमाशो को जिलाबदर करने हेतु प्रतिवेदन माननीय कलेक्टर महोदय को प्रेषित किए गए है। इस प्रकार आचार संहिता के पूर्व व आचार संहिता के दौरान रतलाम जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के कुल 92 आपराधिक प्रवृत्ति के बदमाशो को जिलाबदर करने हेतु प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है।

तकनीकी कार्य के कारण रेल यातायात प्रभावित रेलसेवाएं मार्ग परिवर्तित रहेगी

जोधपुर। दक्षिण मध्य रेलवे के सिकन्दराबाद मण्डल पर काजीपेट-बल्लारशाह रेलखण्ड के मध्य तीसरी लाईन डालने हेतु नॉन इण्टरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है। इस कार्य हेतु रेल यातायात प्रभावित रहेगा। **मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह के अनुसार उपरोक्त कार्य के कारण निम्न रेलसेवाएं रद्द रहेगी:- मार्ग परिवर्तित रेलसेवाएं (प्रारम्भिक स्टेशन से)**- 1. गाडी संख्या 22663, चैन्नई एग्मोर-जोधपुर रेलसेवा जो दिनांक 04.05.24, 11.05.24, 18.05.24 को चैन्नई एग्मोर से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग वाया चैन्नई एग्मोर-रेनिगुंटा-सुलहल्लि-सिकन्दराबाद-काजीपेट-बल्लारशाह होकर संचालित होगी। 2. गाडी संख्या 22664, जोधपुर- चैन्नई एग्मोर रेलसेवा जो दिनांक 30.04.24, 07.05.24 व 21.05.24 को जोधपुर से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग वाया बल्लारशाह - काजीपेट- सिकन्दराबाद-सुलहल्लि-रेनिगुंटा-चैन्नई एग्मोर होकर संचालित होगी।

गृहमंत्री के आगमन पर विधायक ने कार्यकताओं में भरा जोश

♦भारत टाइम्स♦

संजय यादव। रामनगर। वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी मंडल रामनगर की कामकाजी बैठक मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार शाम 5:00 बजे बलुआ घाट पर किया गया । जिसके मुख्य अतिथि कैंट विधानसभा के ऊजार्वान विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कल तुलसी उद्यान महमूरगंज वाराणसी में बुधवार को शाम 5 बजे होने वाले कार्यालय उद्घाटन समारोह में उपस्थित होने के लिए मोतीझील मैदान पर केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह के आगमन की तैयारी की समीक्षा किया गया । जिसमें विधायक ने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा, देश के सशक्त गृह मंत्री जिन्होंने जम्मू कश्मीर के मुद्दे पर लोकसभा में अपनी जोरदार भाषणों में पूरे देश को एक नई दिशा और दिशा देने का काम किया है। ऐसे गृह मंत्री के आगमन पर हम सभी अपने पूरे ऊर्जा के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने का कार्य करेंगे और अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेने का कार्य करेंगे।बैठक में प्रमुख रूप से महानगर मंत्री डॉ अनुपम गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, अशोक जायसवाल,अमृता दुबे, विनोद पटेल,रितेश पाल,अविनाश सिंह,अभिषेक सिंह,सुनील सिंह, संतोष श्रीवास्तव,दिलीप पटेल,रेनू कुरैशी,संतोष श्रीवास्तव,बबलू साहनी,आकाश,सनी,सरोज साहनी,पंकज बड़ी, संजय वाल्मीकि,गयासुद्दीन प्रमुख रूप से उपस्थित थे ।

उत्कृष्ट अंक पाकर छात्रों ने मान बढ़ाया

♦भारत टाइम्स♦

मनोज दूबे अयोध्या। ग्राम गोपियापुर निवासी राज मिश्रा ने साकेत पीजी कालेज से बीकाम प्रथम सेमेस्टर में 78.8 अंक प्राप्त क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है?।पिता अनिल मिश्र व मां रुपा मिश्रा है। पिता ने कहा मेरा पुत्र शुरू से ही बहुत मेधावी है और हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा भी अच्छे अंकों से उत्तीर्ण किया किया है।अच्छे अंकों से उत्तीर्ण राज मिश्र ने कहा कि बीकाम पूर्ण करने के बाद उसका सपना सीए बनने का है।उसकी इस उपलब्धि पर परिवार में जश्न का माहौल है।उधर गोसाईगंज निवासी अनन्या तिवारी ने भी बीकाम प्रथम सेमेस्टर में 75.4 प्रतिशत अंक पाकर सम्मान बढ़ाया है।वह सया पीजी कालेज की छात्रा है।अनन्या

तिवारी ने अपने अच्छे नं लाने का श्रेय मां शिल्पी व अपने बड़े भाई हिमांशु शेखर तिवारी तथा बड़े पापा डा राकेश चंद्र तिवारी को दिया है।

हनुमान जयंती : कानपुर के मंदिरों में गूंजा जय श्री राम ,जय हनुमान

रजत श्रंगार के बाद पनकी समेत सभी मंदिरों में हनुमान जी के दर्शन पूजन को पहुंचे सैकड़ों भक्त।

♦भारत टाइम्स♦

सुनील बाजपेई कानपुर। आज यहां मंगलवार को संकटमोचक श्री हनुमान जी की जयंती बड़े धूमधाम के साथ मनाई गई। उनके दर्शन और पूजन के लिए पनकी समेत सभी मंदिरों में भक्त सैकड़ों की संख्या में पहुंचे। इस दौरान सभी मंदिरों में सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम रहे। आज मंगलवारको संकटमोचन हनुमान जयंती पर श्रीपंचमुखी हनुमान मंदिर, दक्षिणेश्वर बाल हनुमान मंदिर, सोटे वाले बाबा मंदिर, सलेमपुर रूमा और संगीत तिराहे स्थित हनुमान मंदिर में भोर पहर से ही दर्शन पूजन के लिए भक्तों की भारी भी उम्र थी दिखाई पड़ी। जय श्री राम जय हनुमान के उद्घोष सेसभी मंदिरों मेंमाहौलपूरी तरह से भक्तिमय रहा वही आज दूसरी ओर हनुमान जयंती उत्सव पर भोर पहर पनकी दरबार में शहर के साथ आस-पास जिलों से पहुंचे भक्तों की लंबी-लंबी कतार और जय श्रीराम की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो गया। मंगलवार को पनकी मंदिर में महंत श्रीकृष्ण दास और महंत जितेंद्र दास महाराज ने संकटमोचन का रजत श्रृंगार किया। श्रृंगार के बाद आरती में शंखनाद और घंटा-घड़ियाल के साथ बाबा के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। मंदिर के बाहर संकटमोचन के दर्शन के लिए मध्यरात्रि से ही भक्तों की लंबी-लंबी कतार लगी रही। इसी प्रकार नेहरू नगर स्थित श्री बालाजी दरबार में भक्तों दर्शन कर समृद्धि की प्रार्थना कर रहे हैं। युवाओं की टोली सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। वहीं, जीटी रोड स्थित दक्षिणेश्वर बालाजी मंदिर और सोटे वाले बाबा मंदिर में भी सैकड़ों भक्त हनुमान जी के दर्शन के लिए पहुंचे।

शक्ति, साहस, दृढ़ता एवं भक्ति की साक्षात प्रतिमूर्ति हैं श्रीहनुमानजी महाराज : स्वामी नारायणाचार्य महाराज

♦भारत टाइम्स♦

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। कात्यायनी रोड़ स्थित रघुनाथजी नया मन्दिर में श्रीहनुमत रामायण समिति के द्वारा चल रहे 53वें द्विदिवसीय श्रीहनुमज्जयंती महोत्सव के दूसरे दिन प्रात 10 बजे श्रीहनुमानजी महाराज का वैदिक मंत्रोच्चार के पूजन - अर्चन किया गया।साथ ही लड्डुओं के द्वारा उनका सहस्त्रार्चन समारोह आयोजित किया गया।इसके साथ ही चल रहा अखंड श्रीराम चरित मानस का पाठ भी संपन्न हुआ। श्रीहनुमत रामायण समिति के संस्थापक अध्यक्ष वनबिहारी पाठक ने कहा कि श्रीहनुमानजी महाराज जन-जन के आराध्य देव हैं।वे बल, बुद्धि, विद्या के सिंधु एवं करुणा के निधान हैं।हमारी समिति पिछले 52 वर्षों से प्रत्येक हनुमान जयंती को उनका जन्म महोत्सव प्रतिवर्ष अत्यंय श्रद्धा व धूमधाम के साथ मनाती है। उपाध्यक्ष स्वामी नारायणाचार्य महाराज ने कहा कि श्रीहनुमानजी महाराज शक्ति, साहस, दृढ़ता एवं भक्ति की साक्षात प्रतिमूर्ति हैं।पृथ्वी पर उनका अवतरण भगवान श्रीराम के कार्यों

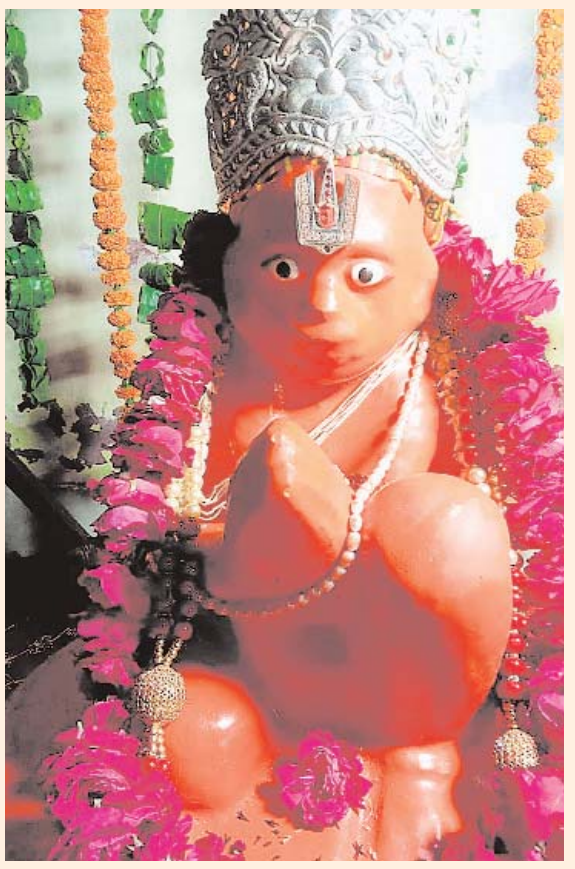
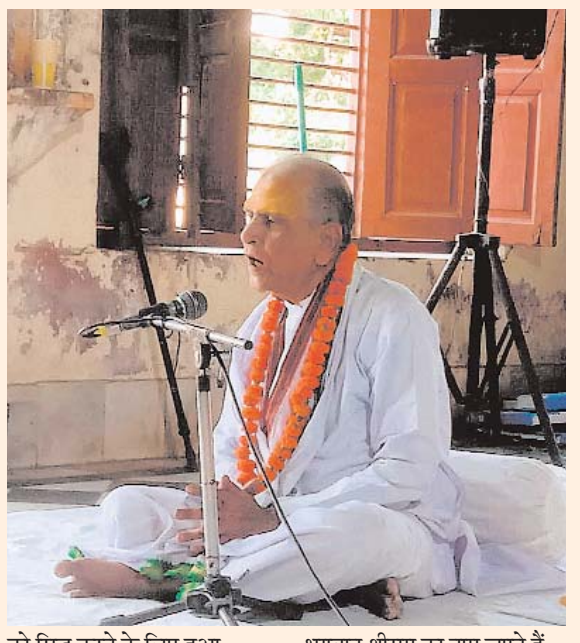

को सिद्ध करने के लिए हुआ था।इसीलिए वे सदैव उनकी सेवा में अग्रणीय रहते हैं। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा की श्रीहनुमंत लालजी महाराज भक्ति व शक्ति के सेतु हैं। वे मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के अनन्य उपासक हैं।जो भी व्यक्ति भगवान श्रीराम का नाम जपते हैं, उन पर श्रीहनुमानजी सदैव अपनी कृपा बनाए रखते हैं। सायं को गाजे-बजे के साथ समूचे नगर में श्रीहनुमानजी महाराज की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।जिसका समस्त नगर वासियों ने पुष्प वर्षा कर एवं आरती उतार कर स्वागत किया।श्रीरघुनाथजी नया मंदिर से प्रारंभ हुई शोभा यात्रा में मंदिर में विराजित हनुमानजी के चल विग्रह के अतिरिक्त श्रीराम दरबार और कई अन्य देवी-देवताओं की अत्यंत चित्ताकर्षक व मनोहारी झांकियां थीं।इसके अलावा शोभायात्रा में नगर के तमाम गणमान्य व्यक्ति साथ चल रहे थे।ये शोभायात्रा अनाज मंडी, पुराना बजाजा, वनखंडी, लोई बाजार, निधिवन, प्रताप बाजार आदि होती हुई रघुनाथजी नए मंदिर पर पूर्ण हुई। तत्पश्चात वृहद संत, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारा हुआ।जिसमें हजारों भक्तों-श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य डॉ. रामसुदर्शन मिश्र, डॉ. रमेश चंद्राचार्य विधिशास्त्री महाराज, श्यामशरण पाठक, राधारमण पाठक, जगदीश नीलम, डॉ. हरिप्रसाद द्विवेदी, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा, बालशुक पुंडरीक कृष्ण, गिरीश साहू, विजय गुप्ता, कृष्ण कुमार तिवारी, आशीष अग्रवाल, किशोरी शरण पाठक, नंदलाल, श्याम सुंदर शर्मा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

पत्रकार एकता परिषद महासम्मेलन डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी सभागार-अहमदाबाद वस्त्राल में आयोजित हुआ

पत्रकार एकता परिषद अहमदाबाद का महासम्मेलन 2024 अहमदाबाद में सम्पन्न

सम्मेलन में सैकड़ों पत्रकारों की उपस्थिति में क्षेत्रीय कार्यकारिणी, महिला कार्यकारिणी, 12 जोन, 33 जिला अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र,उपहार,स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

♦भारत टाइम्स♦

भरतसिंह, आर,ठाकोर अरवली, गुजरात। अहमदाबाद जिला अध्यक्ष हसमुख भाई की पूरी जिला कार्यकारिणी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिन-रात मेहनत की अहमदाबाद जिला पत्रकार एकता परिषद का महासम्मेलन-2024 गत दिनांक 21-04-2024 को डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम-वस्त्राल,अहमदाबाद में भव्य तरीके से सम्पन्न हुआ। जिसमें पत्रकार एकता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष लाभुभाई कातरोडिया, महिला विंग के प्रदेश अध्यक्ष समीमबेन पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, जोन प्रभारी, विभिन्न जिलों के जिला अध्यक्ष, विभिन्न तालुका के तालुका अध्यक्ष, जिला-तालुका कार्यकारिणी सदस्य और 700 से अधिक लोग शामिल हुए। अहमदाबाद सहित गुजरात के सभी जिलों से अधिक पत्रकार शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत में श्री अरविंदभाई वेगड़ा (भाई-भाई-फेम) ने गीत की धुनें प्रस्तुत कीं और पत्रकारों को संगीत की धुनों पर नाचने पर मजबूर कर दिया। लोक डायरा कलाकार रमनभाई भरवाड ने गीतों की गुनगुनाहट से माहौल को संगीतमय बना दियाएंकर देवर्षिभाई ने अपनी एंकरिंग अतिथि दीप प्रगाथा के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया। दीप प्रगति के अंत में पूरा हॉल पत्रकार

एकता परिषद और भारत मातानी जय के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। पत्रकार एकता परिषद क्षेत्र अध्यक्ष लाभूभाई कातरोडिया ने नौ नियुक्त उपाध्यक्षों का स्वागत किया।तब अहमदाबाद के महासम्मेलन में युवा आईपीएस अधिकारी सफीन हसन ने भाषण देते हुए पत्रकारों और पुलिस के बीच पूरक संबंधों की बात की और पत्रकारों के काम और पुलिस के कामकाज की चर्चा की और इसे दूर करने की भी बात कही अपने दूरदर्शी विचारों के माध्यम से यातायात और लोगों की समस्याओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में रिंग रोड पर सीटीएम चौकड़ी और अदानी सर्कल की ट्रैफिक समस्या का समाधान हो गया है और नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए और अहमदाबाद की समस्याओं को अपने शहर के रूप में हल करने का प्रयास करना चाहिए. कारी ने पत्रकारों को काम से काम करने की सलाह भी दी व्यवस्था एवं कर्तव्य निष्ठा, आमंत्रित अतिथि युवा आईपीएस सफीन हसन, सुरेंद्रभाई बख्शी, धर्मेशभाई शाह, जीतूभाई पंड्या, श्रीमती गीताबेन पटेल, श्री हार्दिककुमार योगेशभाई व्यास (कॉलेज प्रतिनिधि के रजत), श्री अनिरुद्ध सिंह झाला, श्री जिगरभाई, गज्जर, पार्थ प्लास्टिक के श्री रमनभाई भरवाड, श्री अरविंदभाई वेगड़ा, श्री अजीतभाई दरबार उपस्थित थे।इस महासम्मेलन में पत्रकार एकता परिषद के गुजरात अध्यक्ष द्वारा गुजरात की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई तथा कार्यकारिणी सदस्यों, जिला अध्यक्षों, जोन प्रभारियों, सह-प्रभारियों, संयोजकों को शॉल ओढ़ाकर व पुष्प गुच्छ व उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस सम्मेलन में प्रदेश उपाध्यक्ष श्री धर्मेशभाई वसंत ने अपनी प्रेरक उपस्थिति के लिए ट्रॉली बैग, लैपटॉप, बैग और रसोई के सामान के बारे में बताया कि भारत के महामहिम राष्ट्रपति के कार्यालय ने लोक शिकायत समाचार पर ध्यान दिया है। जिसने जामनगर कस्टम कार्यालय के भ्रष्टाचार को पत्रकारों के सामने उजागर किया और बताया कि कोई भी पत्रकार या अखबार छोटा या बड़ा नहीं होता, छाता ने कहा कि अगर साप्ताहिक अखबार में भ्रष्टाचार की खबर छपती है तो सरकार कार्रवाई कर रही है. यह कहते हुए उन्होंने पत्रकारों की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए कहा और निकट भविष्य में पत्रकार एकता परिषद अहमदाबाद की टीम और अहमदाबाद की टीम की ओर से एक बड़ा सम्मेलन आयोजित करने की बात कहते हुए संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया इस सम्मेलन की योजना में जिला अध्यक्ष हसमुखभाई पटेल ने हाथ मिला कर सहयोग किया तथा सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी दानदाताओं एवं आयोजन समिति के पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया गया।

वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, गुरुग्राम में मेगा जॉब फेयर-2024 में 2600 को नौकरी के लिए किया शार्टलिस्ट

♦भारत टाइम्स♦

गुरुग्राम । शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुके वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, फरुखनगर, गुरुग्राम के प्रांगण में मेगा जॉब फेयर-2024 का आयोजन में 71 कंपनियों ने भाग लिया। वर्ल्ड कॉलेज के रजिस्ट्रार युद्धवीर सिंह लांबा ने जानकारी देते हुए बताया कि मेगा जॉब फेयर-2024 में युवाओं ने काफी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । करीब 4160 युवाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया, जिसमें से 2600 अभ्यर्थियों को विभिन्न सेक्टर की कंपनियों द्वारा शार्टलिस्ट किया गया । मेगा जॉब फेयर में विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतिष्ठित मल्टी नेशनल कम्पनियों जैसे योकोहामा, कृष्णा मारुति, कपारो मारुति, मुंजाल शोवा लिमिटेड,जे.बी.एम, ऐक्सिस बैंक, टैलब्रोस इंजीनियरिंग लिमिटेड, अल्फा ऑटो, ईआरडी टेक्नोलॉजीज, पॉलिसी बाजार, माइक्रो प्रीसेशन प्रा. लिमिटेड, ड्रीमवेसल टेक्नोलॉजी, क्रिएटिव हाई टेक, इंस्पायर इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड, निफ्को, अल्फा ऑटो, मिडास कंसल्टिंग, चेतु, एक्सिओम कंसल्टिंग, एस्टुग्लोबल टेक, ऐप्ज ग्लोबल टेक प्राइवेट लिमिटेड, साइबरक्योर टेक्नोलॉजी, अर्बन मनी, सुप्रजित इंजीनियरिंग लिमिटेड आदि ने भाग लिया। मेगा जॉब फेयर में दिल्ली, नोएडा, गाज़ियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद, झज्जर, रेवाड़ी, सोनीपत, चंडीगढ़, पंजाब, बिहार, हिमाचल व यूपी से विधार्थियों ने भाग लिया । मेगा जॉब फेयर में कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में, मैकेनिकल के क्षेत्र में, फाइनेंस के क्षेत्र में, रियल एस्टेट के क्षेत्र में, एचआर के क्षेत्र में और बैंकिंग के क्षेत्र में कई प्रतिष्ठित कंपनियां ने बी.टेक (सभी ब्रांच), बी.सी.ए, बी.बी.ए, एम. टेक, एमसीए, एमबीए और पॉलिटेक्निक के छात्रों को शार्टलिस्ट किया । वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री कुंवर निशांत सिंह ने कहा कि हमारी कोशिश रहती है कि यहां से पास होने वाले सभी विधार्थियों को अच्छे पैकेज से प्रतिष्ठित कम्पनियों में प्लेसमेंट मिले । हम इस तरह के मेगा जॉब फेयर का आयोजन करवाते है जिसमे बहुत से विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हो चुका है । मैनेजिंग ट्रस्टी श्री कुंवर निशांत सिंह ने श्रद्धा चौऋषिया, असिस्टेंट डाइरेक्टर, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट को मेगा जॉब फेयर-2024 के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए बधाई दी । इस अवसर पर डॉ. अजय कुमार डागर (प्राचार्य), डॉ. हिमानी अवस्थी, विभागाध्यक्ष (बिजनेस एडमिंस्ट्रेशन), डॉ. क्षमता चुघ, विभागाध्यक्ष (एप्लाइड साइंस एंड हूमॉटिएस), मोनिका सैनी, विभागाध्यक्ष (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग), अंकित सेठी, विभागाध्यक्ष (सिविल इंजीनियरिंग), रणजीत सिंह विभागाध्यक्ष (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) आदि उपस्थित थे।

शिक्षा के मंदिर के बच्चों के सामायिक व प्रतिक्रमण कंठस्थ जैनम ग्रुप शिविर व महावीर जैन पाठ शाला के सामूहिक प्रयास

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी झाबुआ। थांदला गौरवशाली थांदला नगरी में जैनाचार्य पूज्य श्री उमेशमुनिजी म.सा. के दिव्य आशीर्वाद से प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी म.सा. की कृपा से पूज्या श्री निखिलशीलाजी म.सा. आदि ठाणा - 4 वीगत 5 वर्षों से स्थिर कल्प में विराजित है। आपकी छत्र छाया में थांदला में प्रति रविवार को जैनम ग्रुप के माध्यम से धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन किया जाता है जिसमें थांदला में नित्य संचालित हो रही श्री महावीर जैन पाठ शाला थांदला में आने वालें करीब 60 बच्चों की प्रगति पर ध्यान देते हुए उनका उत्साह वर्धन किया जाता है। वर्ष 2024 के माह अप्रैल में थांदला के होनहार बच्चों में नित्या अखिलेश श्री श्रीमाल, आराध्या विकास पोरवाल, विरती धर्मेश मोदी, तोषानी (मिष्टी) पायल सुमित चोपड़ा, मिश्का मयंक श्री श्रीमाल ने जैन धर्म का मूल आगम प्रतिक्रमण (आवश्यक सूत्र) कंठस्थ कर लिया है। वही वृष्टि रुनवाल, गर्विश कवाड़, संयता जैन, मंत्र चौधरी, आध्या पिचा, क्वीना (पायल) चौपड़ा, विहान जैन, अनिका श्रीश्रीमाल व अनिष्का शाहजी ने सामायिक के पाठ कंठस्थ कर लिए है। नन्हें बच्चों के प्रबल पुरुषार्थ में विराजित महासियाजी म.सा. विशेषकर पूज्या श्री दीप्तिजी म.सा. की प्रेरणा व आशीर्वाद के साथ पाठशाला संचालन में अपना अमूल्य योगदान देने वाली श्रीमती साधना राजेन्द्र रुनवाल, अनुपमा मंगलेश श्रीश्रीमाल, संध्या ललित भंसाली, विनीता अखिलेश श्रीमाल व कु. प्रिया महेश व्होरा आदि संचालिका बहनों का पूर्ण समर्पण व योगदान रहा है। थांदला श्रीसंघ अध्यक्ष भरत भंसाली, सचिव प्रदीप गादिया, ललित जैन नवयुवक मंडल अध्यक्ष रवि लोढ़ा, सचिव सन्दीप शाहजी, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा घोड़ावत, सचिव गरिमा शाहजी सहित सक्रिय सदस्य हितेश शाहजी, चर्चिल गंग, कपिल पीचा, हेमंत श्रीमाल, पवन नाहर, राकेश श्रीमाल, संजय व्होरा, प्रवीण पालरेचा, बाल मण्डल अध्यक्ष विशेष तलेरा, सचिव विरल शाहजी आदि ने सभी बच्चों व उनके अभिभावकों के साथ पाठशाला संचालक मंडल को बधाई दी है। ज्ञान सीखने वालें सभी बच्चों को श्री महावीर जैन पाठशाला ने पुरुस्कृत किया है।

भजन गायिका गीता रबारी को सुनने पहुँची भीड ने तोडे सारे रिकॉर्ड

सुरेश चंद्र जैन पप्पू भैया ने दी श्री हनुमान जयंती की बधाई विराट कवि सम्मेलन आज

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी झाबुआ। मेघनगर श्रीवनेश्वर मारुति नंदन हनुमान मंदिर पर पहुँची भारत की जनप्रिय गायक गीता रबारी को सुनने फुट तालाब में सोमवार रात इतनी भीड पहुँची की मंदिर परिसर का मैदान छोटा पड गया स्थानीय लोगों के साथ राजस्थान के कुशलगढ़ गुजरात के दाहोद बड़ौदा

और झाबुआ जिले के पेटलावद, रायपुरिया, थांदला, राणापुर, जोबट, अलीराजपुर आदी जगह से आयी भारी भीड ने आयोजन स्थल को खचाखच भर दिया आयोजन समिति के वरिष्ठ सदस्य राजेश रिंकू जैन द्वारा अतिरिक्त व्यवस्था बनाने के बाद भी लोगों को बैठने की जगह नहीं मिल सकी लोगों ने बहुत देर तक खड़े-खड़े ही गीता रबारी के गीतों को सुना और आयोजन की भव्यता देखकर गदगद दिखाई दिए श्री गणेश वंदना के साथ प्रारंभ हुए कार्यक्रम में गीता रबारी ने जब भगवान श्री राम श्री राम भक्त हनुमान और खाटू श्याम जी के साथ सांवरिया सेठ और गरबो को गया तो भीड़ धार्मिक भजनों पर भाव विभोर होकर झूमती नजर आई कार्यक्रम समाप्त होने के बाद भी लगातार अपने पसंद के गरबो भजनों की परजियन मंच पर भेजते रहे इसी के चलते कार्यक्रम समाप्ति के बाद भी एक बार फिर मंच पर पहुंची गीता रबारी ने एक के बाद एक लोगों की पसंद के गीत और गरबो को गाया फुट तालाब के मंच पर पहुँची प्रसिद्ध गायिका गीता रबारी ने जहा पहले श्री राम भक्त हनुमान के फुटतालाब में दर्शन किए वहीं उनके स्वागत और आयोजन की भव्यता को देखते हुए उन्होंने कहा कि इतने छोटे कस्बे में इस तरह का बडा आयोजन और भीड देखना उनके लिए अभूतपूर्व अनुभूति है मंच पर उनका स्वागत आयोजन समिति के वरिष्ठ सदस्य लोकप्रिय समाजसेवी श्री सुरेश चंद पूरणमल जैन राजेश रिंकू जैन श्रीमती सीमा जैन नीता जैन पूजा जैन अंतिम वाला जैन बिन्नी जैन रिनिश जैन तनिष्क जैन के साथ जैकी जैन ने किया....फुटतालाब में श्रीरामभक्त हनुमान जी जयंती की पूर्व संध्या पर गीता रबारी ने यह भगवा रंग , जय श्रीराम राजा राम जैसे भजन गाकर धर्म प्रेमियों की आस्थाओं को मजबूत किया आज फुट तलाव रात्रि 9:00 बजे होने वाले कवि सम्मेलन में भारत के बड़े कवि जिसमें विशेष रूप से जानी बैरागी, मनिका दुबे, अमन अक्षर, सुनील व्यास, सुरेश अलबेला, विनम्र जैन, और निसार पठान, काव्य पाठ करेंगे श्री वनेश्वर मारुति नंदन हनुमान मंदिर फुट तालाब पर आयोजित कवि सम्मेलन के लिए मंदिर के महंत श्री मुकेश दास महाराज जो श्री रामदास जी त्यागी टाट वाले बाबा ने धर्म प्रेमी जनता से इस आयोजन में पहुँचने का आग्रह किया है इस अवसर पर गीता रबारी और आयोजको ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए लोगो से अपने मतदान अधिकार का उपयोग करने की अपील भी की श्री जैन ने हनुमान जी की महाआरती लगाया छप्पन भोग मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध स्थल श्रीवनेश्वर मारुति नंदन हनुमान मंदिर में श्री हनुमान जयंती के दिन मध्य प्रदेश के वरिष्ठ समाजसेवी श्री सुरेश चंद्र पूरणमल जैन ने शुभ मुहूर्त में जहां श्री हनुमान जी की महाआरती की वही उनको 56 भोग भी लगाया इस अवसर पर विशेष रूप से मंदिर के महंत श्री मुकेश दास जी महाराज और भारी संख्या में धर्म प्रेमी जनता उपस्थित थी महाआरती के बाद विशाल और भव्य भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों लोगों ने भंडारे का लाभ लिया इस अवसर पर फुटतालाब में विराजित श्री राम भक्त हनुमान जी की जीवंत प्रतिमा को चोला चढ़ाकर उनका भाव विभोर कर देने वाला श्रृंगार भी किया गया था जिसके दर्शन करने के लिए देर शाम तक श्रद्धालुओं का ताँता लगा रहा !

सद्गुण रूपी भूषणों से शोभित हो मानव जीवन : महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमण

लगभग तेरह किलोमीटर का विहार कर पाटोदा में पधारे ज्योतिचरण

- कई दिनों की गर्मी से बरसती बूंदों व बादलों ने दी राहत
- पाटोदा की जनता ने आचार्यश्री का किया भावभीना अभिनन्दन

♦भारत टाइम्स♦

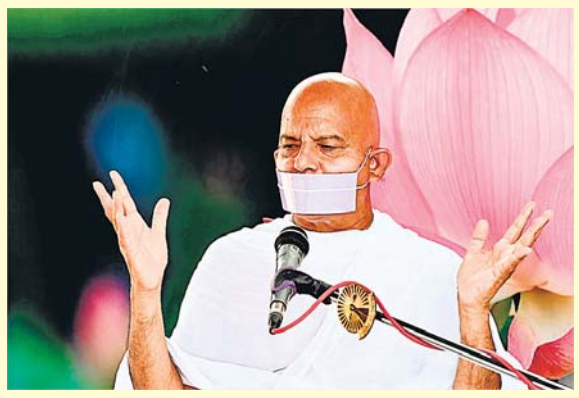

पाटोदा, बीड़ (महाराष्ट्र)। निरंतर बढ़ने वाली गर्मी को मंगलवार की सुबह रोकने के लिए आसमान में छाए बादलों ने जब जल बरसाया तो इससे वातावरण में बढ़ता तापमान मानों क्रमशः नीचे गिरता गया। इससे आम जन से बहुत राहत की सांस ली, किन्तु समता के साधक, अखण्ड परिव्राजक आचार्यश्री महाश्रमणजी अपनी धवल सेना के साथ साकत से अगले गंतव्य की ओर गतिमान हो चुके थे। मार्ग में आने वाली यह हल्की बरसात मानों मानवता के मसीहा को अपनी ओर से राहत पहुंचा रही थी और अपनी सेवा समर्पित कर रही थी। ऐसे बदले हुए मौसम में लगभग तेरह किलोमीटर का विहार कर आचार्यश्री पाटोदा गांव में पधारे। उपस्थित श्रद्धालुओं के निवेदन पर आचार्यश्री का पाटोदा के स्थानक में भी जाना हुआ। वहां कुछ क्षण व्यतीत करने के उपरान्त आचार्यश्री पुनः निर्धारित प्रवास स्थल की ओर गतिमान हुए। आचार्यश्री पाटोदा के जेबीएसपी मण्डलस आर्ट एण्ड साइन्स कॉलेज के वुमेन हॉस्टल में पधारे। पाटोदा के जैन समाज व अन्य लोगों ने आचार्यश्री का भावभीना अभिनंदन किया। जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अधिशास्ता, शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमणजी ने उपस्थित जनता को अपनी अमृतवाणी का रसपान कराते हुए कहा कि चौरासी लाख जीव योनियों में मानव जन्म हैं, जहां से साधना कर सीधे मोक्ष में जाया जा सकता है। जो उत्कृष्ट साधना एक मनुष्य कर सकता है, जो उत्कृष्ट उपलब्धि एक मनुष्य कर सकता है, वह किसी अन्य योनी में संभव नहीं होता। मनुष्य यह सोचे कि मुझे मानव जीवन मिला है तो मैं अच्छा मानवता और धर्म से युक्त जीवन हो। मेरे जीवन में सद्गुण सम्पन्नता और सज्जनता रहनी चाहिए। आदमी आभूषण धारण करता है। आभूषणों से आदमी अच्छा लग सकता है, किन्तु इस मानव शरीर को सद्गुणों से विभूषित करना विशेष बात होती है। जीवन और आत्मा को विभूषित करने के लिए धार्मिक, आध्यात्मिक विभूषणों का धारण करने का प्रयास करना चाहिए। मानव के दो हाथ होते हैं। हाथ से आदमी कितना काम करता है। खाता है, पीता है, शरीर को साफ करता है, लिखता है, कुछ पकड़ता है, कोई वजन उठाता है आदि-आदि, लेकिन इस हाथ की शोभा दान देने से, इस हाथ से किसी की आध्यात्मिक सेवा कर देना हाथ का विभूषण-आभूषण बन जाता है। इस संसार में दान का बहुत महत्त्व बताया गया है। यह लौकिक और पारलौकिक दोनों रूप में होता है। किसी अक्षम, गरीब आदमी को दान देने से मानव की दयालुता, किसी मित्र को उपहार देने से प्रीति बढ़ती है, दुश्मन को कुछ देने वैर दूर हो सकता है, नौकर को कुछ देने से उस मानव के प्रति भक्ति की भावना का विकास हो सकता है और राजा आदि को उपहार आदि देने से व्यवहार की वृद्धि होती है। कहा गया है कि दान कभी निष्फल नहीं जाता। ज्ञान का दान देना भी बहुत बड़ी बात होती है। आदमी को ज्ञान का दान भी करने का प्रयास करना चाहिए। प्राणियों को संकल्पपूर्वक बध नहीं करने का संकल्प लेकर प्राणियों को अभयदान देना। सिर का भूषण है गुरु के चरणों में नमस्कार करना, मुंह का भूषण सत्यवाणी है, कान का भूषण आर्षवाणी, भगवद्वाणी, कल्याणीवाणी है। आदमी को श्रुत करके ज्ञान को ग्रहण करने का प्रयास करना चाहिए। हृदय का आभूषण होता है-सरलता और स्वच्छता। सरलता और स्वच्छता है तो यह हृदय का भूषण होता है। भुजाओं का भूषण उसकी सक्षमता है। किसी की आध्यात्मिक सेवा दे देना भी मानों हाथ का भूषण होता है। विजय प्राप्त कराने वाला पौरुष हो और उसका धार्मिक-आध्यात्मिक संदर्भ में उपयोग हो तो कितनी अच्छी बात हो सकती है। मुंह को साफ किया जाता है, मुंह से भाषा शिष्ट, मिष्ट और यथार्थ हो तो वाणी भी शोभित होती है। माता-पिता, गुरु व अपने से बड़ों के प्रति विनययुक्त व्यवहार हो। शिक्षण संस्थानों पढ़ने वाले विद्यार्थी ध्यान दें कि उनकी विद्या के साथ विनय का विकास हुआ है कि नहीं। विनय है तो विद्या शोभित होती है। इस प्रकार आदमी को अपने मानव जीवन को सद्गुण रूपी आभूषणों से शोभित करने का प्रयास करना चाहिए। आचार्यश्री के स्वागत में श्रीमती सुषमा कांकरिया, नगर अध्यक्ष श्री राजू जाधव, श्री गणेश कवड़े, श्रीमती सत्यभामा ताई डांगर, डॉ. विश्वास कदम, श्री अप्पा साहब राखव, श्रीमती सुरेश ताई व श्री संजय कांकरिया ने अपनी आस्थासिक्त अभिव्यक्ति दी। श्रीमती चन्दनबाला कांकरिया व श्री समकित कांकरिया, संस्कृति श्राविका मण्डल ने अपनी-अपनी गीत का संगान किया। स्थानीय कन्या मण्डल की सदस्याओं ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति दी।

पेटलावद रायपुरिया में स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी झाबुआ । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत (जिला नोडल स्वीप) श्री जितेंद्र चौहान के मार्ग दर्शन में विकास खण्ड पेटलावद की ग्राम पंचायत रायपुरिया में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें रंगोली प्रदर्शन, मतदाता जागरूकता हेतु मतदाता जागरूकता शपथ, रैली आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के तहत 85 से ऊपर मतदाता नन्दी शंकर 109 वर्ष, गंगाराम कानाजी, गीता बाई, रन छोड़ भारती, भेरूलाल पाटीदार 92 वर्ष, रामा पाटीदार का पुष्प माला से स्वागत किया गया। दिव्यांग मतदाता संतोष भारती, मुकेश भुरिया, मडिया का भी स्वागत किया गया और सभी जनों ने मतदाता जागरूकता रैली में भी उत्साह पूर्वक भाग लिया। रायपुरिया संकुल में घर-घर जाकर पीले चावल डालकर 13 मई को मतदान हेतु निमंत्रण दिया गया। कार्यक्रम के अंत में बीआरसी श्रीमती रेखा गिरि द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित समस्त जन को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई।

इस दौरान प्राचार्य श्रीमती कल्पना वर्मा, जन शिक्षक गणपत निनामा, नाहरसिंह मुनिया, दयाराम मैडा, नितेश नागर, रविन्द्र नागर, खुशाल सिंह चौहान, रामचंद्र पाटीदार, समस्त बीएलओ अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी और जामली, देवली, रायपुरिया के निवासी, स्वयं सहायता समूह के सदस्य एवं स्टॉफ उपस्थित रहे।

23 अप्रैल को 2 अभ्यर्थियों ने दाखिल किए नाम निर्देशन पत्र, अभी तक प्राप्त हुए कुल 9 नाम निर्देशन पत्र

♦भारत टाइम्स♦

उज्जैन / जगदीश परमार। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी लोकसभा आम निर्वाचन-2024 कार्यक्रम अनुसार चौथे चरण में संसदीय क्षेत्र उज्जैन आलोट के निर्वाचन के लिए प्रशासनिक संकुल भवन उज्जैन में न्यायालय कलेक्टर कक्ष क्रमांक-240 में नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया जारी है। उज्जैन संसदीय क्षेत्र के निर्वाचन के लिए मंगलवार 23 अप्रैल को 2 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुए। कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी उज्जैन श्री नीरज कुमार सिंह के समक्ष बहुजन समाज पार्टी के अभ्यर्थी श्री प्रकाश चौहान और बहुजन मुक्ति पार्टी की अभ्यर्थी गंगा मालवीय ने एक - एक नाम निर्देशन पत्र जमा किया। उल्लेखनीय है कि 18 अप्रैल से अभी तक कुल 9 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए हैं। अभ्यर्थी 24 अप्रैल एवं अंतिम दिन 25 अप्रैल तक प्रातः 11:00 बजे से 3:00 बजे तक रिटर्निंग अधिकारी कक्ष प्रशासनिक संकुल भवन में अपना नामांकन जमा करा सकेंगे।

रैणी सीएचसी पर बडी संख्या मे बढोतरी हुई ओपीडी मे

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रैणी पर महिला डाक्टर सहित चिकित्सको का है बहुत ज्यादा अभाव-- सीएचसी प्रभारी ओ.पी मीना

♦भारत टाइम्स♦

रैणी(अलवर) अशोक कुमार मीना। अलवर के रैणी-उपखंड व नगरपालिका मुख्यालय पर स्थित राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पिछले कई सालो से महिला चिकित्सक सहित शिशु रोग विशेषज्ञ डाक्टरो की विशेष रूप से कमी चली आ रही है जो वर्तमान मे भी समस्या ज्यो की त्यो ही बनी हुई है। मिडिया को इस सम्बन्ध मे सीएचसी प्रभारी डाक्टर ओमप्रकाश मीना ने बताया कि वर्तमान मे मौसमी बिमारी जैसे उल्टी , दस्त , वायरल बुखार सहित अनेक बिमारियो के मरीज अचानक से काफी संख्या मे बढ गये है और सीएचसी पर मात्र दो ही डाक्टर मौजूद है जिनमे एक डाक्टर की बहिन की शादी होने के कारण छुट्टी पर है और एक अलग से डेन्टलीस्ट है तथा बीसीएमओ सहाब पर फील्ड की जिम्मेदारी भी है इसलिए इस समय चिकित्सको की कमी होना बहुत ही ज्यादा महसूस हो रहा है और महिलाओ के लिए भी महिला चिकित्सक भी नही है तथा शिशु विशेषज्ञ डाक्टर भी नही है। इसलिए आमजन के हित को ध्यान मे रखते हुए स्थानीय नागरिको ने सरकार से रैणी सीएचसी पर स्वीकृत सारे चिकित्सक लगवाने की प्रबल रूप से मांग की है क्योकि यह सरकारी अस्पताल उपखण्ड/ तहसील/ नगरपालिका मुख्यालय पर स्थित है और इस सीएचसी का लाभ आसपास के 70--75 गांव भी उठा सकते है यदि यहा पर समुचित व्यवस्था हो जाए तो।

भारतीय पत्रकार समिति

निष्पक्ष निडर सेवाभाव